khabardrishtikon@gmail.com https://khabardrishtikon.com/ https://l.facebook.com khabardrishtikon.com

KD NEWS सच का सामना

हिन्दी दैनिक

खबर दृष्टिकोण

समाचार ही नहीं, विश्वास भी...

लखनऊ

मंगलवार – 18 जुलाई 2023

वर्ष : 02 – अंक : 268

पृष्ठ-8 मूल्य – 1: 00 रूपये

आरएनआई : UPHIN/2021/82210

2 करंट उतर रहे ऐसे उपकरणों से लोगों को दूर रखने के ...

3 नौग्रह वाटिका, नक्षत्र वन, राशि वन, धार्मिक एवं पौराणिक ....

5 नव नियुक्त प्रदेश के 148 आपूर्ति निरीक्षकों हेतु...

धार्मिक महत्व वाले शहरों के विकास को तैयार होगी खास कार्ययोजनाःयोगी

लखनऊ। लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी भाजपा के धार्मिक एजेंडे को और धार देनी की योजना है। अब नगर विकास विभाग इसके लिए खास योजना तैयार करा रही है। पहले चरण में फिलहाल चार शहरों में अवस्थापना एवं सार्वजनिक सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इनमें विन्ध्यांचल धाम से जुड़े मिर्जापुर, षष्ण की जन्म स्थली मथुरा, भगवान श्रीराम से जुड़े चित्रकूट और मां शाकुम्भरी धाम से जुड़े सहारनपुर शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष जल्द ही प्रजेंटेशन किया जाएगा। नगर विकास विभाग ने संबंधित नगर निकायों से मौजूदा सुविधाओं की स्थिति का ब्योरा मांगा है। यहां अयोध्या और बनारस की तर्ज पर कार्य कराए जाएंगे। सरकार की मंशा के मुताबिक, पहले चरण में शहरों का चयन इस प्रकार से किया गया है कि एजेंडे का संदेश प्रदेश के सभी क्षेत्रों में जा सके। इसलिए पश्चिम से सहारनपुर, ब्रज क्षेत्र से मथुरा, पूर्वांचल से मिर्जापुर और बुंदेलखंड से चित्रकूट लिए गए हैं। सरकार की कोशिश है कि लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पहले सभी शहरों में काम शुरू हो जाए, ताकि इन शहरों में आने वाले तीर्थ यात्रियों को ठहरने और घूमने आदि के लिए बेहतर सुविधाएं मिल सकें। कार्ययोजना में शहरों की बुनियादी सुविधाएं

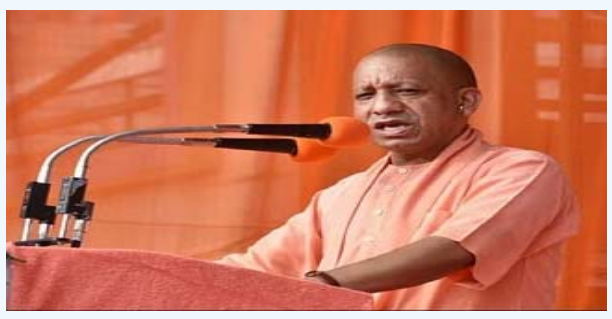

दुरुस्त करने के साथ धार्मिक स्थलों के विकास पर फोकस किया जाएगा। इन शहरों में भवनों और धार्मिक स्थानों को सजाने-संवारने के साथ ही अवस्थापना सुविधाओं का विकास कराया जाएगा । योजना का खाका तैयार करने के लिए वास्तुविदों के चयन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है, जिसमें लखनऊ के ही वास्तुविद मेसर्स एएनबी कंसलटेंट का चयन किया गया है। यह होंगे कार्य सार्वजनिक सुविधाओं का विकास, मुख्य सड़कों की लैंडस्केपिंग, स्ट्रीट फर्नीचर लगाने के साथ प्रमुख चौराहों का विकास, शहरों के प्रमुख प्रवेश द्वारों का सुंदरीकरण , शहरों में आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए अवस्थापना सुविधाओं की व्यवस्था, ट्रांजिट प्लाजा और वेंडिग जोन का निर्धारण व विकास, यात्री विश्राम गृहों का निर्माण व पुराने का जीर्णोद्धार, पार्किंग की समुचित व्यवस्था और शहरों में स्थित तालाबों का जीर्णोद्धार व रिवर फ्रंट का विकास है।

'एएनटीएफ के गठन के बाद से यूपी में अब तक १०८ गिरफ्तारी हुई, ६,५६९ किग्रा मादक पदार्थ बरामद किए गए'

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मादक पदार्थों से न केवल देश की युवा पीढ़ी का नुकसान हो रहा है, बल्कि यह समाज व राष्ट्र की भी क्षति हो रही है। इसलिए इन पर प्रभावी रोक लगाया जाना आवश्यक है। उत्तर प्रदेश में इस दिशा में प्रतिबद्धता के साथ प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। उत्तर प्रदेश ने मादक पदार्थों के विरुद्ध जीरो टश्वलरेन्स की नीति अपनायी है। नशा मुक्त भारत बनाने की भारत सरकार की कटिबद्धता में पूरा सहयोग देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार तत्पर है। मुख्यमंत्री योगी ड्रग तस्करी एवं राष्ट्रीय सुरक्षा विषयक क्षेत्रीय सम्मेलन में बोल रहे थे जिसकी अध्यक्षता गृहमंत्री अमित शाह कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस क्षेत्रीय सम्मेलन के मौके पर आप सभी की वर्चुअल उपस्थिति में उत्तर प्रदेश राज्य में कुल 984 अभियोगों के तहत कुल 4146.75 किलोग्राम मादक पदार्थों का निस्तारण किया गया है। गृह मंत्री के दिशानिर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश में एनकॉर्ड की राज्य स्तरीय समिति तथा सभी 75 जनपदों में जिला स्तरीय समिति का गठन किया जा चुका है। प्रदेश में एनकश्वर्ड की राज्य स्तरीय समिति की कुल 4 बैठकें हुई हैं। प्रथम राज्य स्तरीय बैठक में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के गठन का निर्णय लिया गया। द्वितीय बैठक में आबकारी नीति में बदलाव करते हुए सभी रेस्टोरेंट,पब और बार आदि पर स्टील प्लेटेड चेतावनी बोर्ड लगवाना अनिवार्य किया गया। तृतीय बैठक में एडवांस्ड डाटा प्रोसेसिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट और अफीम पोस्त फसल की सेटेलाइट मैपिंग और विनष्टीकरण का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री स्तरीय समिति की बैठक में सभी जनपदों में एनकॉर्ड के गठन और जिला स्तरीय समिति की नियमित बैठकों के आयोजन के निर्देश दिए गए। सभी 75 जनपदों में एनकश्वर्ड का गठन कर लिया गया है। एनकॉर्ड की जिला स्तरीय समिति की वर्ष 2023 में अब तक कुल 153 बैठकें हुई हैं। नशे के समूल नाश के लिए नशा मुक्ति जागरूकता अभियान और प्रवर्तन की कार्रवाई साथ-साथ चलाया जाना प्रभावी सिद्ध हो रहा है।

देश के शिवालयों में सावन के दूसरे सोमवार पर आस्था का सैलाब

नई दिल्ली। देशभर के शिव मंदिरों और देवालयों में आज आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। सोमवती अमावस्या और सावन के दूसरे सोमवार के मौके पर लोगबाग जन बच्चों के साथ भगवान शंकर को जल और बेल पत्र चढ़ाने के लिए कतारबद्ध हैं। उत्तराखंड के हरिद्वार में सोमवती अमावस्या के अवसर पर बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने तड़के गंगा नदी में पावन स्नान किया। सावन के दूसरे सोमवार पर विश्व प्रसिद्ध उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर में लोगों ने पूजा-अर्चना की। बड़ी संख्या में लोग भगवान विश्वनाथ के दर्शन के लिए काशी पहुंचे हैं। चित्रकूट में सोमवती अमावस्या पर पयस्वनी नदी में स्नान के लिए बड़ी संख्या में लोग दूरदराज से पहुंचे हैं। सावन के दूसरे सोमवार पर झारखंड के देवघर में भी बड़ी संख्या में कांवड़ यात्री और शिव भक्त पहुंचे। उन्होंने बैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की।हिमाचल प्रदेश के मंडी में स्थित बाबा भूतनाथ मंदिर में माहौल शिवमय है।

जम्मू आधार शिविर से अमरनाथ गुफा के लिए रवाना हुए 6216 तीर्थयात्री

जम्मू। बम बम भोले के जयकारों के बीच सोमवार को 6216 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था जम्मू-कश्मीर के भगवती नगर आधार शिविर से बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए अमरनाथ गुफा रवाना हुआ। एक अधिकारी ने बताया कि 6216 तीर्थयात्रियों का एक जत्था 225 वाहनों के काफिले में आधार शिविर से रवाना हुआ। वहीं, 3164 तीर्थयात्री (2386 पुरुष, 647 महिलाएं, छह बच्चे, 78 साधु और 21 साध्वी) 122 वाहनों में पहलगाम के लिए रवाना हुए। इसी तरह से 3052 तीर्थयात्री, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 103 वाहनों के काफिले में बालटाल के लिए रवाना हुए।

अध्यादेश पर अब भी भारी है सरकार, कांग्रेस का साथ पाकर भी कैसे कमजोर है आम आदमी पार्टी

लोकसभा में भाजपा का अपने दम पर ही बहुमत है। ऐसे में इस अध्यादेश को वह आसानी से पारित करा लेगी। लेकिन राज्यसभा में कांग्रेस, एनसीपी जैसे दलों के जरिए आप को उम्मीद है कि वह अध्यादेश को रोक पाएगी।

नई दिल्ली। दिल्ली में अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर आए अध्यादेश का कांग्रेस ने भी सदन में विरोध करने का ऐलान किया है। आम आदमी पार्टी की ओर से विपक्षी मीटिंग में शामिल होने के लिए इसकी शर्त रखी गई थी। %आप% की इस शर्त पर कांग्रेस राजी हो गई है, लेकिन इसके बाद भी राज्यसभा का गणित उसके पक्ष में नहीं दिख रहा है। लोकसभा में भाजपा का अपने दम पर ही बहुमत है। ऐसे में इस अध्यादेश को वह आसानी से पारित करा लेगी। लेकिन राज्यसभा में कांग्रेस, एनसीपी जैसे दलों के जरिए आम आदमी पार्टी को उम्मीद है कि वह अध्यादेश को रोक लेगी।

इसकी वजह यह है कि भाजपा का राज्यसभा में अपने दम पर बहुमत नहीं है। फिर भी भाजपा का पलड़ा उच्च सदन में भी भारी है। इसकी वजह यह है कि सदन में उसके सबसे ज्यादा 92 सदस्य हैं। एनडीए को भी मिला लें तो कुल संख्या 104 हो जाती है। इसके बाद उसे 5 नामित सदस्यों और दो निर्दलीय सांसदों का भी समर्थन हासिल है। यही नहीं भाजपा को वाईएसआर कांग्रेस और बीजू जनता दल का भी समर्थन मिल सकता है, जो उसे कई अहम मुद्दों पर सदन में सपोर्ट कर चुके हैं। फिलहाल उच्च सदन की कुल संख्या 237 है। ऐसे में बीजेडी और वाईएसआर कांग्रेस का समर्थन

निर्णायक होगा।

उच्च सदन में बीजेपी और वाईएसआर के हैं 9-9 सदस्य

वाईएसआर कांग्रेस और बीजेडी दोनों के ही सदन में 9-9 सदस्य हैं। यदि इन दो दलों का समर्थन भी भाजपा को जाता है तो फिर कुल संख्या 111+18 के साथ 129 पर पहुंच जाएगी। साफ है कि 237 सदस्यों वाले उच्च सदन में भाजपा ही नंबरगेम में मजबूत होगी। पहले भी कई अहम विधेयकों को पारित कराने में वाईएसआर कांग्रेस और बीजेडी ने भाजपा का ही साथ दिया था। दिल्ली के अध्यादेश का मुद्दा यूं भी इन दोनों दलों की क्षेत्रीय राजनीति या फिर उनके हितों को प्रभावित नहीं करता है। इसलिए माना जा रहा है कि फिर से ये भाजपा के ही पाले में जा सकते हैं।

राज्यसभा में भाजपा पा सकती है 132 वोट

इनके अलावा बसपा, टीडीपी और जेडीएस भी कई बिलों पर सरकार का समर्थन कर चुके हैं। इन दलों का भी दिल्ली में राजनीतिक वजूद नहीं है। इसके अलावा विपक्ष के महाजुटान से भी ये तीनों दल अलग दिख रहे हैं। इसलिए माना जा रहा है कि इनका समर्थन भाजपा को मिल सकता है। इस तरह वह राज्यसभा में 132 वोट हासिल करने की स्थिति है। यह उसके लिए बड़ी बात होगी।

वंदे भारत ट्रेन में लगी आग

भोपाल से दिल्ली जाते समय मध्य प्रदेश के बीना में हादसा

भोपाल। दिल्ली भोपाल वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन में आग लग गई है। घटना मध्य प्रदेश के बीना में हुई है। ट्रेन आज सुबह भोपाल से दिल्ली जा रही है। आग लगने की वजह के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। ट्रेन को रोक दिया गया है। आनन-फानन में रेलवे स्टाफ मौके पर पहुंच रहा है। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। रानी कमलापति (भोपाल) से निज़ामुद्दीन (दिल्ली) जा रही वंदे भारत ट्रेन के C-14 कोच में आग लग गई। ट्रेन में सफर कर रहे एक यात्री के मुताबिक आग बैटरी से लगी। ट्रेन संख्या 20171 भोपाल-हजरत निज़ामुद्दीन वंदे भारत सोमवार सुबह 5.40 बजे रवाना हुई थी। बीना रेलवे स्टेशन से पहले कुरवाई केथोरा में ट्रेन के सी-14 कोच में आग लग गई। कोच में करीब 36 यात्री सवार थे। सुबह 7:10 बजे ट्रेन को कुरवाई केथोरा में रोका गया और यात्री सुरक्षित उतर गए। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची।

घटना के बारे में एक यात्री पवन कुमार ने बताया कि आग सी-14 कोच के नीचे लगी। सभी यात्रियों को बाहर निकल लिया गया है। ट्रेन रुकी तो देखा कि बैटरी में आग लगी हुई थी। ट्रेन को बीना रेलवे स्टेशन से पहले कुरवाई केथोरा में रोका गया। इधर

स्थानीय ग्रामीणों ने भी आग बुझाने में फायर ब्रिगेड टीम की मदद की। भोपाल के रानी कमलापति- से दिल्ली के निजामुद्दीन तक चलने वाली मध्य प्रदेश की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन है। इसे 1 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरी झंडी दिखाई थी।

पहाड़ों पर फिर भारी बारिश, उत्तराखंड से हिमाचल तक ऑरेंज अलर्ट

दिल्ली भी रहे सावधान!

देहरादून। पहाड़ों से मैदानों तक बारिश का दौर जारी है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में आज भी भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने दोनों पहाड़ी राज्यों के लिए सोमवार को भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है। उत्तराखंड और हिमाचल के लिए रविवार को भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया था। दिल्ली में भी 17 और 18 जुलाई को मूसलाधार बारिश की भविष्यवाणी की गई है। उत्तराखंड में भारी बारिश की वजह से अलकनंदा नदी उफान पर आ गई। नदी का जलस्तर इतना बढ़ा कि श्रीनगर बांध की

झील से रविवार सुबह पानी छोड़ा गया। इसका असर देवप्रयाग से लेकर हरिद्वार तक दिखा। देवप्रयाग में अलकनंदा खतरे के निशान के पार बहने लगी। हरिद्वार में गंगा ने चेतावनी का निशान पार कर दिया। यहां भीमगोड़ा बैराज का एक गेट भी पानी के दबाव से टूट गया। सोमवार को भी राज्य में भारी बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग देहरादून के निदेशक विक्रम सिंह ने कहा, 17 मार्च को उत्तराखंड के लिए ऑरेंज अलर्ट है। 18 जुलाई से बारिश में कुछ कमी आएगी। उधर हिमाचल में भी पिछले कुछ दिनों से बादल जमकर बरसे हैं और 17 जुलाई के लिए एक बार फिर ऑरेंज अलर्ट है।

दिल्ली में बढ़ेगा संकट!

पहाड़ों पर भारी बारिश से बाढ़ का संकट झेल रही दिल्ली के लिए मुश्किलों में इजाफा हो सकता है। एक बार फिर यमुना में पानी बढ़ने की आशंका है। दिल्ली में बी मौसम विभाग ने 17-18 जुलाई को भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़े जाने की मात्रा में गिरावट के बाद दिल्ली में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे आ गया था।

केदारनाथ धाम में अब फोटो-वीडियो या रील्स नहीं बना पाएंगे तीर्थ यात्री

मंदिर समिति ने लगाया बैन

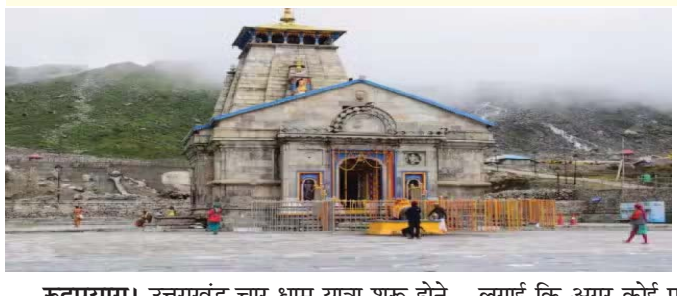

- मंदिर समिति केदारनाथ मंदिर परिसर में जगह-जगह चेतावनी बोर्ड लगाई कि अगर कोई फोटो लेता या वीडियो बनाता पकड़ा गया तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड चार धाम यात्रा शुरू होने के साथ ही देश के कई राज्यों से तीर्थ यात्री गंगोत्री-यमुनोत्री सहित चारों धामों में दर्शन करने को पहुंच रहे हैं। श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने केदारनाथ मंदिर के अंदर फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी पर प्रतिबंध लगा दिया है। मंदिर समिति केदारनाथ मंदिर परिसर में जगह-जगह चेतावनी बोर्ड लगाई कि अगर कोई फोटो लेता या वीडियो बनाता पकड़ा गया तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजय अजेंद्र ने बताया कि पिछले दिनों कुछ तीर्थयात्री मंदिर के अंदर अभद्र तरीके से वीडियो और रील बना रहे थे और तस्वीरें भी खींच रहे थे इसलिए केदारनाथ में चेतावनी बोर्ड भी लगाए गए हैं।

कूनो में रेडियो कॉलर ले रहा चीतों की जान ? चौंकाने वाला दावा, सरकार ने दिया जवाब

भोपाल। मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में तीन दिन में दो चीतों की मौत हो गई है। ऐसे में 10 चीतों से रेडियो कॉलर हटाने की कवायद शुरू हो गई है। ऐसा विशेषज्ञ के दावे की वजह से किया जा रहा है। वन्यजीव अधिकारियों ने रेडियो कॉलर की वजह से चीतों की मौत होने की संभावना जताई है। कुनो में अधिकारियों की सहायता के लिए इस हफ्ते भारत आने वाले सहित दो दक्षिण अफ्रीकी चीता विशेषज्ञों का भी कहना है कि रेडियो कॉलर की वजह से समस्याएं पैदा हो सकती है। दूसरी ओर, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी) ने रविवार को कहा कि रेडियो कॉलर के कारण चीतों की मौत की रिपोर्ट वैज्ञानिक

प्रमाणों पर आधारित नहीं है, और सभी मौतें प्राकृतिक कारणों से हुई हैं। मध्य प्रदेश के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) जे एस चौहान ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि कल इस मुद्दे पर हमारी बैठक है।

चौहान ने कहा, मानसून के कारण रेडियो कॉलर की वजह से संक्रमण फैलने की संभावना रहती है। इन मामलों में उच्च नमी के कारण, चीता अपनी त्वचा को खरोंच (स्क्रैच) सकता है, जो फट सकती है और मक्खी के संपर्क में आने के बाद संक्रमण फैल सकता है। यह चीतों की मौत का एक कारण हो सकता है। हमें यह जानने के लिए गहन जांच की जरूरत है कि क्या इसके अन्य कारण भी हैं। दोनों चीतों के अंगों को समान क्षति हुई - उनके दिल, स्प्लीन और गुर्दे क्षतिग्रस्त हो गए थे। रेडियो कॉलर कोई घातक चीज नहीं है, यह एक कारक हो सकता है और इसका समाधान किया जाना चाहिए। नामीबिया के चीता भाइयों गौरव और शौर्य जिन्हें द रॉक स्टार्स भी कहा जाता है, में समान समस्या दिखाना शुरू हो गई है, जिसके बाद वन्यजीव अधिकारियों द्वारा कॉलर हटाने की प्रक्रिया शुरू किए जाने की उम्मीद है। जे एस चौहान ने कहा, हमें शक है कि इन दोनों नर चीतों में एक जैसी समस्या हो सकती है। हमारी मॉनिटरिंग के दौरान यह देखने को मिला है। हम उनके रेडियो कॉलर हटाने वाले हैं। कॉमन सेंस यही कहती है। सभी 10 जंगली चीतों के कॉलर हटाने में बहुत समय लगेगा। बाड़े के अंदर पांच चीते भी हैं। हम यह नहीं कह सकते कि स्वतंत्र घूम रहे चीतों के कॉलर हटाने में कितना समय लगेगा, लेकिन हमें उनके कॉलर हटा देने चाहिए और सभी की निगरानी करनी चाहिए। हम इस मामले पर सख्ती से निगरानी रखेंगे।

स्वच्छ भारत मिशन की धज्जियां उड़ाते ग्राम प्रधान

प्रधान की लापरवाही अर्ध निर्मित शौचालय में गंदगी का अंबार

खबर दृष्टिकोण संवाददाता सुनील मणि

गोसाईगंज |गोसाईगंज ब्लॉक क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बघौली में अर्ध निर्मित है दिव्यांग शौचालय ,नौनिहाल बच्चों को हो रही परेशानी गोसाईगंज लखनऊ ब्लॉक गोसाईगंज अंतर्गत बघौली ग्राम में माध्यमिक विद्यालय स्थित दिव्यांग शौचालय आज तक नहीं बन पाया है। जबकि प्रशासन के निर्देशानुसार शौचालय व दिव्यांग शौचालयों की विद्यालय परिसर में होना बहुत ही अनिवार्य है। लेकिन वही ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों की लापरवाही के चलते बघौली में बना । अर्ध निर्मित दिव्यांग शौचालय की छत पढ़ने के पश्चात उसके अंदर अभी तक फर्श वसीटिंग क कार्य अभी तक नहीं हो पाया है। इस संबंध में जब प्रधान से जानकारी करना चाहा तब प्रधान का मोबाइल नंबर स्विच ऑफ जा रहा था। यही नहीं ग्रामीणों द्वारा बताया गया पंचायत सचिवालय में खरपतवार अधिक होने के कारण कोई भी ग्राम का व्यक्ति वहां शौचालय नहीं जाता है। क्योंकि बारिश के चलते तमा तमाम बिच्छू और कीड़े के डर से शौचालय में कोई सौच के लिए नहीं जाता है ।जिससे ग्राम वासियों को काफी परेशानी झेलनी पड़ती है।

जमीनी की रजिस्ट्री कराकर पैसे ना देने के आरोपी पर मुकदमा दर्ज

खबर दृष्टिकोण

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज के दीवानगंजध् निवासी अरूण कुमार ने बताया उसने व सहखातेदार रघुराई ने 12अप्रैल2022 को अपनी 185वर्ग मीटर जमीन सुनील कुमार वैश्य निवासी गेला बाजार थाना कैंट,लखनऊ के नामध विक्रय की थी,लेकिन तय रकम की बजाय खरीददार सुनील ने उसे एक लाख तीस हजार रूपये का चेक दे दिया,उसे जब विक्रय मूल्य से कम रकम की चेक मिलने का पता चला तो उसने सुनील वैश्य से पूरी रकम मांगी तो उसने बैंक में चेक लगाने की बात कहते हुये बाकी की रकम नगद देने की बात कही,बैंक में चेक लगाया तो बाउंस हो गया,जिसके बाद से क ई बार सुनील से पैसे मांगे गये तो टाल मटोल करता ओर पैसे नही दिया,उल्टा धमकाने लगा ओर फर्जी मुकदमें में फंसाकर जेल भेजने की धमकी भी दी ।जिसके बाद पीड़ित ने डीसीपी दक्षिणी विनीत जायसवाल से शिकायत कर आरोपी पर कार्यवाही की मांग की तो जांच के बाद रविवार को पुलिस ने आरोपी के विरूद्व जालसाजी,धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओ में मुकदमा दर्ज किया।

खबर एक नजर में

प्रथम पुण्यतिथि पर भव्य भंडारे का आयोजन

खबर दृष्टिकोण संवाददाता

नगराम, लखनऊ। जिला पंचायत सदस्य अमरेंद्र भारद्वाज वार्ड नंबर 18 के पिताजी पवन भारद्वाज के प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित भव्य भंडारा कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रतिनिधि व नेता विधायक सहित सैकड़ों गणमान्य लोगों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। हरदोईया क्षेत्र के अनैया खरगापुर निवासी पवन भारद्वाज की मृत्यु 16 जुलाई 2022 को हुई थी ।आज उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित भव्य भंडारा कार्यक्रम में क्षेत्र की जनता ने प्रसाद ग्रहण कर उनको श्रद्धांजलि दी। निवेदक रामबाबू भरद्वाज ।अमरेंद्र भरद्वाज सदस्य जिला पंचायत लखनऊ सदस्य जिला योजना समिति लखनऊ के आवास पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि विजय बहादुर यादव सहित सैकड़ों प्रतिनिधि उपस्थित रहे ।प्रधान अभय दीक्षित निगोहा विधायक अमरीश कुमार पुष्कर नागेश्वर द्विवेदी सहित क्षेत्र के पत्रकार उपस्थित रहे।

सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित हुआ आरोग्य स्वास्थ्य मेला

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। जिले के सभी ग्रामीण व नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पीएचसी पर रविवार को आरोग्य स्वास्थ्य मेला आयोजित हुआ । मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. मनोज अग्रवाल ने बताया कि आरोग्य मेले में गर्भावस्था एवं प्रसवकालीन सेवाएं, पूर्ण टीकाकरण, बच्चों में डायरिया व निमोनिया के रोकथाम, बचाव और उपचार की जानकारी और सुविधाएँ दी जा रही हैं। कुपोषित बच्चों की पहचान और उनके उपचार के लिए समुचित कार्यवाही की जा रही है। परिवार कल्याण कार्यक्रमों के तहत बास्केट अश्वफ च्वाइस के बारे में मेले में आने वाले लोगों को बताया जा रहा है और इच्छुक लाभार्थियों को परिवार नियोजन के साधन भी मुहैया कराए जा रहे हैं। इसके अलावा ओ.पी.डी. की सेवाओं के साथ ही फाइलेरिया, दिमागी बुखार, टीबी, मलेरिया, डेंगू, एवं कुष्ठ रोग से सम्बंधित जानकारी, आवश्यक जांच, उपचार और संदर्भन द्धरेफरत्रः की सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं । आरोग्य मेले के दौरान स्वास्थ्य केंद्र पर राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, प्रध ाानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित अन्य कार्यक्रमों के स्टश्वल लगाए गए। मेले में बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभागद्धआईसीडीएसत्रः ने भी अपना स्टाल लगाया। जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी योगेश रघुवंशी ने बताया कि जिले के स्वास्थ्य केन्द्रों पर आयोजित इस आरोग्य मेले का कुल 4525 लोगों ने लाभ उठाया, जिसमें 1745 पुरुष, 2069 महिलायें और 711 बच्चे शामिल हैं । इस दौरान आयुष्मान भारत योजना के 22 लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड भी बनाया गया । इसके साथ ही 9 लोगों ने कोविड एंटीजन टेस्ट कराया, सभी निगेटिव आए।

जर्जर तार एवं पोल को बदलें, लटकते तारों एवं झुके हुए पोल को तत्काल ठीक करें

करंट उतर रहे ऐसे उपकरणों से लोगों को दूर रखने के लिए जागरूक करें-ऊर्जा मंत्री ए०के० शर्मा

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। सावन के पवित्र महीने में कांवड़ यात्रा को देखते हुये प्रदेश में विद्युत कार्मिक एवं अधिकारी अत्यधिक सावधानी बरतें, जिन जिलों में कांवड़ यात्रा निकल रही है या प्रसिद्ध मंदिर हैं वहॉ के पुजारी और जिला प्रशासन से विद्युत अधिकारी सम्पर्क में रहें। ग्राम प्रधानों, पार्षदों तथा जनप्रतिनिधियों को कांवड़ यात्रा में बरती जाने वाली सावध ाानियों के सन्दर्भ में अवगत करायें तथा जिन सड़कों से कांवड़ यात्रा निकल रही है, उस पर पेट्रोलिंग करके लाइनों एवं खम्भों के निध ाारित मानक को सुनिश्चित करें। यदि सड़क पर कहीं कोई अवरोध ा हो तो उसकी सूचना जिला प्रशासन को दें। यह निर्देश प्रदेश के ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा श्रोत मंत्री ए0के0 शर्मा ने विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक में दिये है। शक्ति भवन में वीडियो कांफ्रेन्सिंग के माध्यम से उन्होंने प्रदेश के सभी वितरण निगमों के प्रबन्ध निदेशकों से कांवड़ यात्रा की सुरक्षा एवं व्यवस्था सम्बन्धी पूरी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मेरठ में कांवड़ यात्रा में विद्युत से हुई दुर्घटना पर विस्तृत पूछंताछ की। मेरठ की प्रबन्ध निदेशक ने बताया कि भावनपुर के राली चौहान में हाईटेंशन लाइन से ज्यादा ऊंची 22 फुट ऊँचा डीजे का ट्रैक्टर टकरा गया, जिससे यह हादशा हुआ। प्रशासन ने 12 फुट की अनुमति दी थी। पूरे प्रकरण की जॉच विभिन्न एजेन्सियों से करायी गयी, जिसमें विद्युत विभाग की कोई गलती नहीं पायी गयी। प्रबन्ध ा निदेशक ने बताया कि कांवड़ यात्रा को देखते हुये विभाग पूरी तरह सजग है। पूरी सावधानी बरती जा रही है। ऐसी घटनायें रोकने हेतु इसके लिये पेट्रोलिंग और भी बढ़ा दी गयी है। ऊर्जा मंत्री ने निर्देशित किया कि यद्यपि इन दुर्घटनाओं में विद्युत निगम का कोई दोष नहीं है। फिर भी दुर्घटना में जान गंवाने वालों को नियमानुसार जो 01 लाख रूपये का भुगतान किया जाना है, वह तत्काल देना सुनिश्चित किया जाये। कांवड़ यात्रा रूट पर स्थानीय अवर अभियन्ता से लेकर उच्चाधिकारी पेट्रोलिंग करके यह सुनिश्चित करें कि जहां कहीं पर भी पोल या ट्रांसफार्मर के आस-पास विद्युत करंट उतर रहा हो, उसके बारे में लोगों को जागरूकर करें ऐसे पोल, ट्रांसफार्मर से लोगों को दूर रखने के उपाय भी किये जाएं। करंट उतरने के कारणों की जांच कर, उसे ठीक करने का भी प्रयास किया जाय। लाउडस्पीकर एवं प्रचार सामग्री के माध्यम से कांवड़ यात्रियों को भी जागरूक किया जाये कि वे ऐसा कोई कार्य न करें जिससे दुर्घटना की सम्भावना हो। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि अभी कांवड़ यात्रा की शुरूआत है। इसलिये विभागीय कर्मचारी कांवड़ यात्रा से सम्बन्धि ात गांवो में लाउडस्पीकर, पोस्टर, पाम्पलेट तथा सम्पर्क करके यह बताये कि खम्भों एवं लाइनों की ऊॅचाई 19 फिट होती है। इसलिये ज्यादा ऊॅचाई का कोई वाहन, डीजे, कांवड़ या अन्य सामग्री लेकर न चलें। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि विभागीय अधिकारी जिला प्रशासन को भी पत्र लिखकर यह अवगत करा दें कि डी0जे0 की अनुमति में क्या सावधानी बरतनी है। ऊर्जा मंत्री ने पोल एवं ट्रांसफार्मरों के आस-पास विद्युत करंट उतरने की प्रभावी जॉच हेतु आवश्यक उपकरणोंकी प्रर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चि त करने के निर्देश दिये।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि जहॉ भी कोई आवश्यक विद्युत सम्बन्धी कार्य कराना हो, उसे प्राथमिकता से करायें। साथ जी आरडीएसएस योजना के कार्यों में तेजी लायी जाये। उन्होंने सख्त चेतावनी दी है कि कांवड़ यात्रा की सुरक्षा में यदि कही कोई लापरवाही पायी गयी तो सख्त कार्यवाई सुनिश्चित की जायेगी। उन्होंने कहा कि इसके पहले भी सचेत किया जा चुका है कि जर्जर तार एवं पोल को बदलें, लटकते तारों एवं झुके हुए पोल को तत्काल ठीक करें तथा हरे पेड़ को छूकर जाने वाले तारों को तत्काल पेड़ के सम्पर्क से हटाने, टहनियों को छांटने के निर्देश दिये गये थे। फिर भी विद्युत दुर्घटनाओं की शिकायतें आ रही हैं जो कि गम्भीर मामला है। लोगों की जानमाल की सुरक्षा के लिए इस व्यवस्था में तत्काल सुधार किया जाय। बरसात में ट्रांसफार्मर और उसकी सुरक्षा में लगी जाली, पोल बाक्स, सपोर्ट केबिल में करंट न उतर रहा हो, इसकी जांच करें और तत्काल ठीक भी किया जाय। कहीं पर भी ऐसी स्थिति बन रही हो तो उसके बारे में लोगों को जागरूक किया जाय कि ऐसे विद्युत उपकरणों से दूर रहें। समीक्षा में उ0प्र0 पावर कारपोरेशन अध्यक्ष एम0 देवराज ने निर्देशित किया कि दुर्घटना पीड़ितों को नियमानुसार मिलने वाली धनराशि तत्काल देना सुनिश्चित किया जाये। अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण करें तथा फोन जरूर उठाये। शक्ति भवन में सम्पन्न इस बैठक में उ0प्र0 पावर कारपोरेशन के प्रबन्ध ा निदेशक पंकज कुमार सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

घर के ताला तोड़ कीमती आभूषण,नगदी समेत अन्य उपकरण चोरी, मुकदमा दर्ज

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। कृष्णा नगर कोतवाली क्षेत्र में बीते दो सप्ताह पूर्व मकान के प्रथम तल का ताला तोड़ चोरो ने घर की आलमारी में रखे कीमती सोने चांदी के आभूषण समेत अन्य उपकरण एवं हजारो रूपये नगदी चोरी कर लिए। जिसकी सूचना मकान मालिक ने पुलिस को दी सूचना पर जॉंच के पुलिस ने चोरी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। कृष्णा नगर थाना क्षेत्र के मकान संख्या 570ध 889 गोपालपुरी निवासी रीता भारती पत्नी अमित कुमार के मुताबिक उनके मकान के भूतल भाग पर रिपेयरिंग का कार्य चल रहा है जिसका ठेका गोपालपुरी राजेन्द्र शर्मा दे रखा है जिसकारण अपने घर का सारा सामान घर के प्रथम तल पर कमरे में रख ताला बंद कर रखा है और स्वयं घर के सामने ही किराये पर कमरा लेकर रह रहे है।

पीड़िता के मुताबिक बीते 2 जुलाई को अपने मकान के प्रथम तल पर गई तो देखा कि कमरे का ताला गायब था और दरवाजा खुला हुआ था। कमरे के अन्दर रखी हुई लोहे की आलमारी व लाकर भी खुला हुआ था और सामान गायब था। सामान चोरी होने की दशा में जब मकान में काम कर रहे कारीगर व् लेबर से पूछा तो उन लोगो अनभिज्ञता जताया। जिसपर पीडिता ने पुलिस को सुचना दी। पुलिस ने जॉंच के दो हफ्ते बाद पीडिता की शिकायत पर अज्ञात चोरो के खिलाफ चोरी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीडिता के मुताबिक चोरो ने उनके घर की आलमारी से सोने चांदी के करीब डेढ़ लाख रूपये के आभूषण समेत एक मोबाईल फोन,एक गीजर,एक स्टेप्लाईजर पानी की टोतिया समेत छ हजार रूपये नगदी चोरी कर ले गए है।

घर में घुस मोबाईल चोरी, मुकदमा दर्ज

सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के अमौसी एअरपोर्ट बेहसा निवासी मोहर्रम अली पुत्र पुत्र मो हसन के घर में बीते 11 जुलाई की रात दिवार फांद घर में घुसे बेखौफ चोर ने कमरे में रखा हुआ मोबाईल फोन चोरी कर फरार हो गया। अपना मोबाईल गायब देख पीड़ित ने अगले दिन सुबह पुलिस को चोरी की सूचना देते हुए स्थानीय थाने पर लिखित शिकायत की है। पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफ चोरी की धारा में मुकदमा दर्ज कर तलाश में जुटी है।

टेक्सचर सरफेस से लगेगा सड़क दुर्घटनाओ पर लगाम

23 ब्लैक स्पॉट चौराहों पर कराया जायेगा टेक्सचर सरफेस का निर्माण

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग मंत्री जितिन प्रसाद ने सड़क सुरक्षा के प्रति संवेदनशीलता के कारण प्रदेश में चलाये जा रहे सड़क सुरक्षा अभियान पर जारी किये गए निर्देशों पर समस्त जिलो के सभी ब्लैक स्पॉट चौराहों का सुरक्षा आदित आइआइटी दिल्ली एवं आइआइटी बीएचयू द्वारा किया गया। आडिट रिपोर्ट के अनुसार लम्बे समय तक ब्लैक स्पॉट सुधार के लिए पीडब्लूडी विभाग द्वारा लखनऊ शहर के 23 ब्लैक स्पॉट चौराहों पर सड़क सुरक्षा के अंतर्गत चौराहों का चौड़ीकरण का कार्य नए तरीके से कराकर टैक्सचर सरफेसिंग का कार्य कराया जा रहा है।

क्या है टैक्सचर सरफेसिंग

टैक्सचर सरफेसिंग व्यवस्था के तहत अति व्यस्त चौराहे जो ब्लैक स्पॉट घोषित है के आवागमन मार्गो पर रोड की पूरी तरह चौड़ाई में एवं मार्ग 6.00 मीटर लम्बाई कट स्टोन सीमेंट मसाले में लगाया जाता है एवं सीमेंट कंक्रीट मसाले से दोनों ओर रैम्प बनाया जाता है। इसके आलावा 10 सेमी ऊँचा स्पीड टेबल का निर्माण कराया जा रहा है।इस दो तरह के निर्माण के बाद जंक्शन पर यातायात की गति को नियन्त्रण करके होने वाली दुर्घटनाओ से बचाव किया जा सकेगा।

इन चौराहों पर कराया जा रहा है टैक्सचर सरफेसिंग का कार्य।

राजधानी लखनऊ में लोक निर्माण विभाग द्वारा विभिन्न ब्लैक स्पॉट चौराहों पर टैक्सचर सरफेसिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है वर्तमान में सरपोटगंज चौराहा,विजयनगर चौराहा,चन्द्रिका देवी चौराहा,बंगला बाजार चौराहा,पकरी पुल,इको गार्डेन चौराहा,कनौसी चौराहा,आईआईएम चौराहा एवं भैसा कुण्ड पर कार्य शुरू कर दिया गया है।

ओलेक्स पर सीपीयू बेचने के नाम पर हुई ऑनलाइन ठगी

खबर दृष्टिकोण आलमबाग। आलमबाग थाना क्षेत्र में एक खाताधारक से जालसाज ने ओलेक्स पर सीपीयू खरीदने के नाम पर हजारो रूपये ठग लिए। जिसकी शिकायत खाताधारक ने साइबर सेल से कर स्थानीय थाने पर की है। पुलिस ने धोखाधड़ी व अमानत की ख्यानत में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई में जुटी है

आलमबाग क्षेत्र के भीम नगर गली नंबर तीन निवासी

गुरलीन कौर के मुताबिक उन्होंने अपना सीपीयू ओलेक्स पर विक्री के लिए डाल रखा था। बीते 9 जुलाई की सुबह एक काल आया कश्वलर ने सीपीयू तीस हजार रूपये में खरीदने को तैयार हो गया और उसने आधी पेमनट एडवांस में करने के लिए खाताधारक से क्यूआर कोड माँगा और 15 हजार रूपये डाले जो पैसा उसके खाते में नहीं आया उसने फिर एक स्कैनर भेजा कि उसे स्कैन कर ले आपके पास पैसा आ जायेगा लेकिन इसके बावजूद भी पैसा नहीं आया और उल्टे कश्वलर 15 हजार रूपये वापस मांगने लगा और कहने लगा वह पैसा भेज दे तो तीस हजार रूपये खाते में ट्रांसफर कर देगा जिसे लेकर काफी बहस हुई और खाताधारक ने कश्वलर को यूपीआई द्वारा पैसे भेज दिए लेकिन कश्वलर ने पैसे नहीं भेजे अपने संग ठगी का एहसास होने पर पीड़िता ने नंबर आधार पर साइबर सेल में शिकायत कर स्थानीय थाने पर शिकायत की है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर धोखाधड़ी व अमानत में ख्यानत की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

चालक ई रिक्शा लेकर फरार , मालिक ने दर्ज कराया मुकदमा

खबर दृष्टिकोण

सरोजनीनगर। बिजनौर थाना क्षेत्र में एक चालक अपने मालिक का ई रिक्शा लेकर एक महीने से फरार हो गया। अपना रिक्शा वापस ने मिलने पर मालिक ने स्थानीय थाने पर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। बिजनौर थाना क्षेत्र के सोहन खलीफा के पीछे शीतलानगन बिजनौर की रहने वाली कंचन यादव पत्नी जीतेन्द्र यादव के मुताबिक उन्होंने बच्चो को स्कूल लाने जाने के एक ई-रिक्शा खरीदा था। जिसे लीलापुरवा नई मऊ जरुवा बाराबंकी हालपता कनौसी थाना मानक नगर का निवासी ई रिक्शा चालक मनीष यादव द्धअरविन्द यादवत्रः पुत्र राम चन्दर यादव चलाता था। विगत एक माह से रिक्शा चालक मनीष यादव उनसे संपर्क में नहीं है और उनका रिक्शा लेकर फरार है। उसका नंबर भी बंद जा रहा है। उन्होंने अपने रिक्शे को काफी तलाशा लेकिन रिक्शा नहीं मिला। जिस पर रिक्शा मालिक ने स्थानीय थाने में चालक के खिलाफ लिखित शिकायत की है। पुलिस शिकायत पर अमानत में ख्यानत की धारा में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई में जुटी है।

अंतर्जनपदीय तीन दो पहिया वाहन चोर समेत तीन बाल अपचारी गिरफ्तार

चोरी के वाहनों को नेपाल ले जाकर करते थे विक्री, 22 चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। इंदिरा नगर पुलिस टीम ने क्राइम टीम उत्तरी के सहयोग से मुखबिर की सुचना पर सोमवार थाना क्षेत्र में घेराबंदी कर तीन मोटरसाइकिल पर सवार छ दोपहिया वाहन चोरो को गिरफ्तार किया गया है जिसमे टीम ने शामिल तीन शातिर बाल अपचारी है। जिनके निशानदेही पर लखनऊ एवं लखनऊ के आसपास से चोरी किये गए बाईस दोपहिया वाहन बरामद कर कई चोरियों का अनावरण किया गया है। लखनऊ उत्तरी जोन पुलिस उपायुक्त एसएम कासिम आब्दी ने अपने कार्यालय पर कई वाहन चोरियों का अनावरण करते हुए बताया कि इंदिरा नगर पुलिस टीम द्वारा क्राइम टीम उत्तरी के सहयोग से सोमवार को मुखबिर की सूचना पर थाना क्षेत्र के नौबस्ता नहर पुलिया पर घेराबंदी कर तीन मोटरसाइकिल पर चले आ रहे छ शातिरो को रोकने का प्रयास किया गया तो शातिर बाइक से भागने का प्रयास करने लगे लेकिन पुलिस के घेराबंदी के आगे विवश हो गए और पकडे गए। गिरफ्त में आये शातिरो में तीन बाल अपचारी है। शातिरो के निशानदेही पर लखनऊ के विभिन्न थाना क्षेत्रो एवं लखनऊ के आसपास से चोरी की दोपहिया वाहनों कुल 22 मोटरसाइकिल बरामद किया गया है। वाहन चोर चाभियो द्वारा वाहनों की चोरी कर एक जगह संगठित करते थे और फिर उन वाहनों को नेपाल लेजाकर महंगे दामो में बेच देते थे और उन पैसो को ऐशोआराम में उड़ाते थे। पुलिस की पूछताछ में शातिरो ने अपना परिचय विशाल उर्फ बड़ा बऊवा पुत्र रामलाल निवासी मुंशीपुरवा गाँव थाना इंदिरा नगर लखनऊ ,आसिफ पुत्र मो रईस निवासी ग्राम झझड थाना बिसवा जनपद सीतापुर हालपता पिली बिल्डिंग के पीछे आंबेडकर चौराहा थाना इंदिरानगर व कुशाल पुत्र दिलीप थाना मसौली जनपद बाराबंकी हालपता आदर्श कालोनी निकट तकरोही अस्पताल थाना इंदिरा नगर लखनऊ के रूप में दिया है। विशाल व आसिफ बैटरी रिक्शा चलाता है व कुशाल फल का ठेला लगाता है। शातिरो को चोरी की धाराओं में कार्यवाई कर जेल भेज दिया गया है एवं हिरासत में तीनो बाल अपचारियो को किशोर बाल सुधार गृह भेज दिया गया है।

पतौना में चकमार्ग से हटाया अवैध कब्जा

मोहनलालगंज ।नायाब तहसीलदार अनुपम वर्मा ने बताया तहसीलध क्षेत्र के पतौना गांव निवासी ओम प्रकाश ने गाटा स०-601 व 604 जो सरकारी अभिलेखो में चकमार्ग दर्ज है सम्पूर्ण समाधान दिवस में अवैध कब्जे की शिकायत की थी,सोमवार को राजस्व व पुलिस के साथ मौके पर जांच की गयी तो चकमार्ग पर सुंदर लाल, गुरूपाल, गुरूप्रसाद समेत शिकायतकर्ता का भी अवैध कब्जा मिला ।जांच के बाद चकमार्ग से अवैध कब्जा हटाकर सभी को दोबारा कब्जा ना करने की कड़ी हिदायत दी गयी।

यौन शोषण के झूठे मुकदमे में फंसा देने की धमकी दे इंजिनियर से मांगी जा रही है रंगदारी

फर्जी फेसबुक आई डी बना किया जा रहा बदनाम, एसीपी के आदेश पर युवती के खिलाफ मुकदमा दर्ज

खबर दृष्टिकोण

स र ो ज नी न ग र । सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में रहने वाले एक पीड़ित युवक ने मकान में ही रहने वाली एक युवती द्वारा उसे अपने जाल में फांस यौन शोषण के झूठे मामले में फंसा देने की धमकी देते हुए लाखो रुपयों की रंगदारी मॉंगने एवं पैसा न मिलने के नाम पर पीड़ित के नाम पर फर्जी फेसबुक आईडी बना उसे बदनाम कर देने का आरोप लगाते हुए एसीपी से शिकायत की है। एसीपी के आदेश पर सरोजनीनगर पुलिस ने आरोपी युवती के खिलाफ गंभीर ध ााराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की कार्यवाई में जुटी है। मूलरूप से जनपद प्रयागराज निवासी पीड़ित रामकृष्ण यादव पुत्र धर्मराज एस्कार्ट ट्रैक्टर लखनऊ पीडीआई इंचार्ज के रूप में कार्यरत सरोजनीनगर के आजाद नगर में एक किराये के मकान में रहते है। पीड़ित के मुताबिक उसी मकान में हेमा गुप्ता पुत्री किशन पाल मूलनिवासी बीघापुर कला जनपद उन्नाव किराये पर रहती है। एक ही मकान में रहने के कारण आपस में परिचय हो गया था कुछ दिनों बाद युवती उसे ब्लैकमेल करने लगी थी और उससे अनुचित रूप से पैसे की मांग करती रहती थी जिसे उसने कई बार खाते द्वारा पैसा दिया है। युवती द्वारा अपने साथियों संग एक गिरोह बना उसकी फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर उसकी अपने संग चालाकी से ली गई फोटो वायरल कर उसे बदनाम कर रही है एवं फेसबुक पर उसके करीबियों को भी जोड़ रखा है और अपने साथियों संग मिलकर उससे अवैध रूप से दस लाख रूपये की मांग कर रही है और गाली गलौज संग धमकी दे रही है कि अगर उसकी मांग पूरी नहीं हुई तो सोसल मिडिया पर वायरल हो रही फोटो अन्य माध्यमो से भी वायरल कर उसे समाज में जीना मुश्किल कर देंगे। पीड़ित के मुताबिक युवती ने इस तरह से कई लोगो को अपने झांसे में फंसाकर उनसे रूपये ऐठे है। जिसकी शिकायत उनसे साक्ष्यो के साथ साइबर सेल के ऊँच अधि ाकारियो से भी कर रखी है। फिलहाल सरोजनीनगर पुलिस ने एसीपी के आदेश पर युवती के खिलाफ रंगदारी,गाली गलौज,धमकी व आईटी एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज कर मामले की कार्यवाई में जुटी है।

नौग्रह वाटिका, नक्षत्र वन, राशि वन, धार्मिक एवं पौराणिक व ख्याति प्राप्त स्थलों के नाम पर थीम प्लांटेशन किया जायेगा

पौधों को रोपने के साथ उनके संरक्षण का किया जाय पूरा प्रबंध–नगर विकास मंत्री ए0के0 शर्मा

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। बरसात में नगरों की साफ–सफाई, सुन्दरता व जन–सुविधाओं को और बढ़ाने के लिए 14 से 21 जुलाई, 2023 तक प्रदेश के सभी 762 निकायों में नगर सफाई महाअभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए विस्तृत दिशा–निर्देश दिये गये हैं, जिससे कि सफाई कार्यों में कहीं पर भी ढिलाई न हो। नगर सफाई महाअभियान में सभी निकाय अधिकारियों कर्मचारियों के कार्य दायित्वों का निर्धारण किया गया है। साथ ही सभी नगर निगमों के महापौर, नगर पालिका परिषदों नगर पंचायतों के अध्यक्ष, पार्षदों की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा क्षेत्रीय सांसदों और विधायकों के साथ अन्य जन–प्रतिनिधियों को भी इस अभियान में शामिल होने का अनुरोध किया गया है। जन सहभागिता को भी बढ़ाने के लिए भी निर्देशित किया गया है जिससे कि 22 जुलाई, 2023 को वृक्षारोपण महाअभियान के दौरान निकायों में वृक्षारोपण के लिए साफ–सुथरी जगह मिल सके और वृक्षारोपण अभियान के बाद सभी निकायों में हरियाली दिखे इसके पूरे प्रयास किये गये हैं। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा ने निर्देशित किया है कि निकाय स्तर पर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक पार्षद द्वारा अपने वार्ड में अभियान का नेतृत्व स्वयं किया जाय। सभी निकाय अधिकारी एवं कर्मचारी प्रत्येक मोहल्लों वार्डों की सड़कों व गलियों की सफाई हेतु कूड़ा गाड़ी, मशीन एवं अन्य उपकरणों के साथ सफाईकर्मी उपलब्ध करायें। शहर के मुख्य बाजारों, सार्वजनिक स्थलों, बस व रेलवे स्टेशनों, पर्यटन स्थलों की दैनिक साफ–सफाई एवं कूड़ा उठान पर विशेष ध्यान दिया जाय। सड़कों के किनारे उगी घास एवं वनस्पतियों को हटाया जाय। शहरों के सभी नाले–नालियों की नियमित साफ–सफाई सुनिश्चित करायी जायेगी और निकले सिल्ट को भी हटाया जाय। उन्होंने कहा कि लोगों को संक्रामक रोगों एवं मच्छर जनित बीमारियों से बचाने के लिए एन्टी लार्वा का छिड़काव एवं फॉगिंग करायें। श्रावण मास में कांवड़ यात्रा मार्गों एवं कांवड़ियों के शिविरों पर भी नियमित साफ–सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाय। उन्होंने सफाई अभियान के कार्यों का पर्यवेक्षण करने के लिए निकाय निदेशालय में डीसीसीसी के तहत स्थापित कन्ट्रोल रूम से मॉनीटरिंग करने तथा टोल फ्री नं0–1533 पर आयी शिकायतों का तत्काल निस्तारण के लिए निर्देशित किया है। वर्ष 2023–24 के वृक्षारोपण महाअभियान में प्रदेश में 35 करोड़ पौधरोपण किया जाना है। जिसमें से 35 लाख पौधरोपण निकायों द्वारा किया जायेगा। सभी निकायों में क्षेत्रफल के अनुपात में पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पौधरोपण के लिए साफ–सुथरा स्थान मिले जैसे कि वृक्षों में भी नारायण का वास होता है, इसी भावना से सभी निकायों में एक सप्ताह का सफाई अभियान चलाया गया है। इस दौरान कूड़ा–कचरा एवं गन्दे स्थलों तथा जलभराव वाले स्थानों को साफ कर वहां पर थीम आधारित वृक्षारोपण किया जायेगा, जिसमें नौग्रह वाटिका, नक्षत्र वन, राशि वन, धार्मिक एवं पौराणिक व ख्याति प्राप्त स्थलों के नाम पर थीम प्लांटेशन किया जायेगा। ज्यादा आकर्षक दिखने के लिए एक ही प्रकार के फूलदार व फलदार पौधों का भी रोपण किया जायेगा। उन्होंने कहा कि निकाय अधिकारियों को पूरी तरह से सचेत किया गया है कि पौधों को सिर्फ रोपना ही नहीं, बल्कि उनका पूर्ण संरक्षण भी किया जाना है, इसके लिए सभी निकायों में स्थानों, पार्कों, अमृत सरोवरों, उद्यानों, बगीचों में स्थलों के चिन्हांकन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये गये हैं जिससे कि वृक्षारोपण के दौरान पौधों की गिनती के बजाय स्थलों की गणना की जाय और जीपीएस के माध्यम से जियो टैग भी किया जाय।

प्रतिबंधित पेड़ो की कटान कराने वाले पर मुकदमा दर्ज,एक गिरफ्तार

मोहनलालगंज ।मोहनलालगंज के डाढा सिकंदरपुर गांव में अवैध रूप से प्रतिबंधित हरे पेड़ो की कटान की सूचना पर रविवार को मोहनलालगंज पुलिस ने मौके पर छापेमारी कर अवैध कटान कराने वाले एक को गिरफ्तार किया,जब कि कटान कर रहे मजदूर पुलिस टीम को देखकर मौके से भाग निकलें।इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया अवैध कटान की सूचना पर पुलिस ने मौके पर छापेमारी कर अरूण तिवारी निवासी अतरौली थाना मोहनलालगंज को हिरासत में लिया गया।पुलिस ने मौके से प्रतिबंधित शीशम के पेड़ की लकड़ी भी बरामद की है।हल्का दारोगा राकेश कुमार की तहरीर पर आरोपी अरूण के विरूद्ध वन अधिनियम की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया है।

यूनाइटेड स्प्रिट्स, लिद्धरोजा शाहजहांपुर के श्रमिक संगठन ने उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को दिया मांग पत्र

खब्बर दृष्टिकोण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से आज श्रमिक संगठन संयुक्त मोर्चा, यूनाइटेड स्प्रिट्स लि० रोजा, शाहजहांपुर के प्रतिनिधि मण्डल ने मिलकर कारखाने के संचालन व नौकरी को लेकर महत्वपूर्ण विन्दुओं का ब्यौरा देते हुए कारखाने को पुनरू संचालित कराये जाने का अनुरोध पत्र दिया, जिस पर जिला अधिकारी शाहजहांपुर को निर्देश दिए कि वह संगठन व अन्य सभी सम्बंधित से वार्ता करके समस्या का सर्वमान्य हल निकालने की कार्यवाही करें। प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का हर सम्भव निदान सुनिश्चित किया जायेगा। मुरादाबाद से आये दलित एकता महासंघ के अध्यक्ष जसवन्त सिंह ने मुरादाबाद जिले ग्राम बीजना में श्मशान घाट के नवीनीकरण व अन्य अवस्थापना सुविधाएं मुहैया कराने का अनुरोध किया, जिसके लिए जिलाधिकारी मुरादाबाद को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

छात्र– छात्राओं को आपदा से बचाव के लिए दिया गया प्रशिक्षण पूर्वानुमान बताने वाली मोबाइल एप्लीकेशंस 'सचेत' एवं 'दामिनी' के प्रति किया जागरूक

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। राहत आयुक्त, उ०प्र० जी०एस० नवीन कुमार के निर्देशानुसार 11वीं एन.डी.आर.एफ., लखनऊ की टीम द्वारा सोमवार को जी0डी0 गोयनका पब्लिक स्कूल, लखनऊ में विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके अंतर्गत छात्र – छात्राओं को आपदा के समय राहत–बचाव के तरीकों का प्रर्दशन तथा प्रशिक्षण दिया गया। अनिल कुमार पाल, उप कमांडेंट, एन. डी. आर. एफ. ने छात्रों से कहा कि आपदाओ का सामना जानकारी तथा तैयारी से किया जा सकता है, इसलिए परिस्थितियां कैसी भी हो लेकिन हार ना माने प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान एन.डी. आर. एफ. की विशिष्ट प्रशिक्षित टीम द्वारा छात्र – छात्राओं को प्राथमिक उपचार, ट्रामा मैनेजमेंट, हार्ट अटैक आने पर सीपीआर देना, सर्पदंश उपचार, आग लगने व भूकंप के दौरान किये जाने वाले बचाव उपायों के बारे में डेमोंट्रेशन देकर समझाया। साथ ही बाढ़ पूर्व तैयारी, बचाव एवं पूर्वानुमान बताने वाली मोबाइल एप्लिकेशन श्सचेतश एवं श्दामिनीश के बारे मे बताया। बच्चे देश के भविष्य हैं, जिनको जानकारी होने पर वो अपनी और अपने आस पास के लोगों की मदद कर सकते हैं एवं उनको पहले से सब बता कर सचेत भी कर सकते हैं।विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के दौरान जी०एस० नवीन कुमार, राहत आयुक्त, उवप्रव भी मौजूद रहे। राहत आयुक्त द्वारा एनडीआरएफ के सुरक्षा कार्यक्रम की सराहना की गई और बताया कि आगे भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम करते रहें, ताकि लोगों को आपदा से बचाव, आपदा के दौरान श्क्या करें क्या न करेंश, ये पता लग सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य प्रेरणा मित्रा ने कहा कि विद्यालय के सभी अध्यापक और विद्यार्थी काफी लाभान्वित हुए हैं तथा भविष्य में विभिन्न आपदाओं के दौरान बचाव के उपयुक्त तरीकों का उपयोग करके बहुमूल्य मानव जीवन को बचाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे तथा समाज व देश को लाभान्वित कर सकेगें।

नगराम पुलिस ने दो वारंटी सहित एक शराब तस्कर को दबोचा

खबर दृष्टिकोण

संवाददाता सुनील मणि

नगराम थाना क्षेत्र के अंतर्गत वारंटी आशीष कुमार पुत्र रामखेलावन निवासी गौरिया खुर्द व भगवान बक्स पुत्र जगदीश निवासी ललई खेड़ा समेसी काफी दिनों से कोर्ट पर गैरहाजिर है। जिस कारण एनबीडब्ल्यू वारंट होने के कारण नगराम पुलिस ने उन्हें वाहन चेकिंग के दौरान गिरफ्तार कर जेल भेजा। वहीं दूसरी तरफ अभियुक्त राजजयपाल पुत्र रामखेलावन निवासी ग्राम मितौली को दफा 60 आबकारी अधिनियम के तहत शराब 5 लीटर कच्ची अवैध बरामद कर गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी टीम में थाना प्रभारी हेमंत कुमार राघव ,उपनिरीक्षक श्याम बाबू सिंह उपनिरीक्षक गौरी शंकर यादव कांस्टेबल सत्येंद्र सिंह उपस्थित रहे।

पन्द्रह दिवसीय सड़क सुरक्षा पखवाड़े की हुई शुरुवात

17 से 31 जुलाई के मध्य चलेगा सड़क सुरक्षा पखवाड़ा

खबर दृष्टिकोण

आलमबाग। परिवहन विभाग द्वारा 17 से 31 जुलाई के मध्य चलाए जा रहे सड़क सुरक्षा पखवाड़े का उद्घाटन सोमवार बंगला बाजार के एल्डिको उद्यान – प्रथम स्थित पायनियर मोंटेसरी स्कूल में आयोजित किया गया । इस मौके पर एडिशनल डायरेक्टर बेसिक शिक्षा लखनऊ मंडल श्याम किशोर तिवारी बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे । कार्यक्रम मेंआरटीओ लखनऊ आरपी द्विवेदी, आरटीओ प्रवर्तन संदीप कुमार पंकज, एआरटीओ अखिलेश त्रिवेदी, पीटीओ विभा सिंह समेत लोकनिर्माण विभाग के सहायक अभियंता केएन सोनी, चांदनी सेठ, हीरो मोटोकॉर्प से पंकज शर्मा, सुमित, सृजन

फाउंडेशन अध्यक्ष डॉ० अमित सक्सेना व स्कूल के प्रबंधक ब्रजेन्द्र सिंह और प्रधान अध्यापिका शर्मिला सिंह मौजूद रही । इस मौके पर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और सृजन फाउंडेशन की सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान श्सजगश पुस्तिका का विमोचन किया गया । सड़क दुर्घटना में जान बचाने वाले एडवोकेट शुभम सिंह व सुनीता पाठक को गुड सेमेरिटन अवार्ड प्रदान किया गया । साथ ही साथ इस मौके पर मुख्य अतिथि द्वारा 15 महिला सफाईकर्मियों को हेलमेट वितरित किया गया । कार्यक्रम में बच्चों के द्वारा बनाई गई पेंटिंग में विजई बच्चों को मैडल व प्रसास्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

महिला की पिटाई के आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

मोहनलालगंज ।मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के बगहनखेड़ा गांव में जानवर बंधाने का विरोध करे पर महिला सुनीता व उसके परिजनो की बीते रविवार को लाठी डंडो से पिटाई की घटना में पुलिस ने पीड़िता द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर तीन आरोपियों अवधेश कुमार,जोगी,नारेन्द्र के विरूद्ध मुकदमा दर्ज किया है ।इंस्पेक्टर ने बताया पीड़िता की तहरीर पर तीन आरोपियों परद्द मारपीट व जान से मारने की धमकी देने की धाराओ में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है।

तीन घरो में धावा बोलकर बैखोफ चोरो ने 5लाख की नगदी व 14 लाख के जेवरात उड़ाये

मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के जैतीखेड़ा गांव के तीन घरो में धावा बोलकर बैखोफ चोरो ने 5लाख की नगदी व 14लाख के करीब जेवरात उड़ायेंऋ

सूचना के छरूघंटे बाद मौके पर पहुंचे एसीपी व इंस्पेक्टर ने मौके पर पहुंचकर की जांच पड़ताल

मोहनलालगंज ।मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के जैतीखेड़ा गांव में बीते रविवार की देर रात बैखोफ चोरो ने तीन घरो में धावा बोलकर 5लाख की नगदी व 14लाख के करीब सोने–चांदी के जेवरात चुरा ले गये ।सोमवार की सुबह पीड़ित घर मालिको के परिजन सोकर उठे ओर घरो के कमरो में सामान बिखरा देखा तो हड़कम्प मचा ।सूचना के बाद चौकी इंचार्ज ने पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू की तो एक पीड़ित के घर से एक किलोमीटर दूर जगंल में बक्सा व एक तंमचा व तीन जिंदा कारतूस पड़े मिले।

जिन्हे पुलिस ने कब्जे में लिया ।मोहनलालगंज के जैतीखेड़ा गांव में पहली चोरी की घटना प्रमोद सिहं उर्फ पप्पू सिहं के घर हुयी ।प्रमोद सिहं ने बताया रविवार की देर रात खाना खाने के बाद मां,पत्नी व बच्चे समेत नौकर अपने अपने कमरो में सो गये,घर का मेन दरवाजा खुला था,जिससे घर में घुसे बैखोफ चोर घरो के सभी कमरो को खगांलने के बाद पत्नी कुसुम सिहं व मां सरोजनी देवी के कमरो में रखी अलमारी व बक्सो को तोड़कर एक लाख रूपये के करीब नगदी व सात लाख रूपये कीमत के सोने चांदी के जेवरात व नौकर रामू के कमरे में रखे ढाई हजार रूपये चुरा ले गये, दूसरी घटना किसान सतेन्द्र सिहं के घर में बैखोफ चोरो ने अजांम देते हुये घर के पिछले हिस्से में खिड़की में लगी लोहे की ग्रील तोड़कर अंदर कमरे में घुसकर अलमारी का लांकर तोड़कर उसमें रखी 3 लाख 80 हजार रूपये के करीब नगदी व पत्नी लक्ष्मी,सास मिथिलेशी व साली अनीता के सात से आठ लाख रूपये कीमत के जेवरात चुरा ले गयें ।तीसरी चोरी की

घटना बैखोफ चोरो ने होटल संचालक सुनील सिहं के घर अजांम देते हुये बक्से में रखी दस हजार रूपये की नगदी समेत चांदी के जेवरात चुराकर फरार हो गयें ।सोमवार की सुबह तीन बजे के करीब पप्पू सिहं की पत्नी लक्ष्मी सोकर उठी तो घर के पिछले हिस्से के गेट खुले देखे तो चीख पड़ी,जिसके बाद कमरो में जाकर देखा तो अलमारिया व बक्से खुले पड़े थे ओर सारा सामान बिखरा हुआ था ।सुबह होते होते अन्य दो घरो में चोरी का पता चला तो गांव में हड़कम्प मचा गया ।सूचना के बाद चौकी इंचार्ज पटेल राठी ने पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर पड़ताल शुरू की तो पीड़ित पप्पू के घर से एक किलोमीटर दूर जगंल में खाली बक्सा जिसमें कुछ कपड़े थे व एक तंमचा व तीन जिंदा कारतूस पड़े मिले ।जिसके बाद पीड़ितो ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस से लिखित शिकायत कर कार्यवाही की मांग की ।इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया एक पीड़ित के द्वारा दी गयी तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है,बाकी अन्य दो पीड़ितो ने तहरीर नही दी है। सर्विलांस व क्राइम टीम की मदद से फरार हुये चोरो की तलाश शुरू कर दी गयी हैं।

परिजनो पर हमले के लिये ईट–पत्थर किये थे इक्ट्ठा

पीड़ित प्रमोद सिहं ने बताया उनके घर में चोरी की वारदात को अजांम देने आये बैखोफ चोर पूरी तैयारी से आये थे,चोरो ने घरो के कमरो को खगांलने के दौरान हर कमरे के बाहर ईट पत्थर लाकर रख रखे थे,अगर आहट पाकर जगाते या चिल्लाते तो चोर ईट व पत्थरो से हमला कर जान भी ले सकते थे गलीमत रही चोरो के जाने के बाद परिजन सोकर उठे ओर बड़ी घटना होने से बच गयीद्द ।हालाकि चोरी की घटना के बाद पीड़ित घरो के परिजन व ग्रामीण दहशत में हैं।

छः घंटे बाद मौके पर पहुंचे एसीपी व इंस्पेक्टर....

पुलिस कमिश्नर एस बी शिरोडकर ने भले ही मातहतो को हर बड़ी से छोटी घटनाओ में तत्काल मौके पर पहुंचने के निर्देश दे रखे है फिर भी मोहनलालगंज के जैतीखेड़ा गांव में हुयी तीन बड़ी चोरी की घटनाओ की सूचना पीड़ितो ने सोमवार की सुबह 3रू15बजे ही पुलिस को दे दी थी,चौकी इंचार्ज तो सूचना के कुछ देर बाद ही पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच गये लेकिन एसीपी नितिन सिहं व इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य को कोतवाली से बमुश्किल सात किलोमीटर दूर घटना स्थल पर पहुंचने में छरू घंटे लग गये. 9रू30 बजे के करीब एसीपी व इंस्पेक्टर ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। डीसीपी व एडीसीपी ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल करना भी उचित नही समझा ।जिसको लेकर पीड़ितो समेत ग्रामीणो में आक्रोश व्याप्त हैं।

डांग स्क्वायर्ड व फिगंर एक्सपर्ट भी नही बुलायें....

पीड़ित घर मालिको ने पुलिस के मौके पर पहुंचने पर डॉग स्क्वायर्ड व फिगंर प्रिंट एक्सपर्ट बुलाये जाने की मांग की लेकिन लापरवाह बनी पुलिस ने चोरी की जगहो पर सबके आने जाने की बात कहकर टीमो के मौके पर आने पर कुछ ना मिलने की बात कहकर पल्ला झांड लिया।

शातिर मोबाईल चोर गिरफ्तार, चोरी के तीन मोबाईल फोन बरामद

मुकदमा दर्ज करने के बाद मात्र चौबीस घंटे में मोबाईल चोर को किया गिरफ्तार

खबर दृष्टिकोण

सरोजनीनगर। बिजनौर पुलिस ने मोबाईल चोरी करने के मामले में शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर मात्र चौबीस घंटे में मोबाईल चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे चोरी के मोबाईल समेत दो अन्य लोगो के भी चोरी का मोबाईल फोन बरामद किया गया है जिसपर पुलिस ने दर्ज मुकदमे में कार्यवाई करते हुए जेल भेज दिया है। बिजनौर थाना प्रभारी अरविन्द कुमार राणा ने बताया कि एक दिन पूर्व थाना क्षेत्र के कटरा मोहल्ला कस्बा निवासी नसीम उर्फ मुन्ना पुत्र हबीब अहमद ने मोबाईल फोन चोरी हो जाने की शिकायत की थी जिसपर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चोर का तलाश किया जा रहा था वहीं मुखबिर की सूचना पर मात्र 24 घंटे में सोमवार को थाना क्षेत्र से मोबाईल चोर को गिरफ्तार किया गया है जिसके कब्जे से चोरी का तीन मोबाईल फोन बरामद हुआ है। शातिर इससे पूर्व भी लगभग एक महीना पहले कटरा मोहल्ले से फोन चोरी किया था व एक अज्ञात व्यक्ति के पास से भी एक मोबाईल चोरी किया गया था जो कि बिजनौर पुलिस द्वारा बरामद कर लिये गये हैं। पुलिस की पूछताछ में शातिर ने अपना परिचय फैजान पुत्र सईद अहमद निवासी पटवारी मोहल्ला कस्बा बिजनौर थाना लखनऊ के रूप में दिया है। जिसके खिलाफ दर्ज मुकदमे में धाराओं की बढ़ोत्तरी करते हुए जेल भेज दिया है।

आटो चालक ने साथी संग बाइक सवार को पीटा, तोड़ी बाइक

मोहनलालगंज ।मोहनलालगंज के गौरा गांव निवासी हरिशंकर ने बताया रविवार की देर रात वो सेवई गांव से जरूरी काम निपटाकर अपने घर जा रहा था,जैसे ही वो धर्मगंतखेड़ा गांव के पास पहुंचा ही था कि पीछे से आये आटो ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी,जिसके बाद वो छिटककर दूर जा गिरा ओर घायल हो गया,आटो समेत चालक मौके से भगाने लगा तो उसने पीछा कर अतरौली गांव के रेलवे फाटक पर रोका तो अपने साथी दिनेश निवासी सेवाखेड़ा थाना मोहनलालगंज के साथ मिलकर आटो चालक ने उसकी बुरी तरह पिटाई कर बाइक में तोड़फोड़ की,इस दौरान मौके पर भीड़ बढती देख आरोपी आटो चालक अपने साथी संग मौके से भाग निकला ।इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया पीड़ित की तहरीर पर आरोपी चालक व उसके साथी पर मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गयी है।

जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज बहरौली लखनऊ में लगी हाई पावर लाइट और किया गया खीर वितरण

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। नगराम क्षेत्र के बहरौली स्थित जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज में परिसर की लाइट व्यवस्था हेतु हाई मास्क लाइट लगवाई गई तथा सावन के सोमवार अवसर पर अध्ययनरत सभी छात्र छात्राओं को खीर का वितरण किया गया। विद्यालय परिसर काफी बड़ा होने के कारण तत्कालीन एमएलसी श्रीमती कांति सिंह द्वारा सोलर लाइट लगवाई गई जिससे परिसर में कम रोशनी पहुंचा पाती थी। इसी को देखते हुए बाल दिवस के अवसर पर पधारे क्षेत्रीय विधायक श्री अमरीश रावत जी ने विद्यालय को वाटर कूलर और हाई पावर लाइट लगवाने का आश्वासन बहरौली के प्रतिष्ठित समाजसेवी एडवोकेट रणवीर सिंह तथा शिक्षक श्री शंभू दत्त के आग्रह पर दिया था ।

समाजसेवी एडवोकेट प्रणवीर सिंहने लगातार प्रयास करके विद्यालय में हाई मास्क लाइट लगवाई जिससे विद्यालय परिसर को चार चांद लग जाएंगे साथ ही नगराम रोड पर भी

रात्रि में आवागमन करने वालों को इसका लाभ मिल सकेगा। विद्यालय के प्रधानाचार्य अनिल कुमार वर्मा ने मोहनलालगंज क्षेत्र के माननीय विधायक श्री अमरेश रावत एवं समाजसेवी एडवोकेट प्रणवीर सिंह के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित किया। सावन मास में विभिन्न भंडारे के आयोजन जगह जगह पर किए जाते हैं इसी कड़ी में विद्यालय में उप प्रधानाचार्य सर्वेश कुमार वर्मा ने सभी विद्यार्थियों के लिए प्रसाद स्वरूप खीर बनवा कर वितरित कराया जिसका शुभारंभ ग्राम प्रधान प्रतिनिधि संतोष वर्मा उर्फ गप्पू वर्मा, समाजसेवी एडवोकेट प्रणवीर सिंह, प्रधानाचार्य अनिल कुमार वर्मा, शिक्षक श्री शंभू दत्त ने विद्यार्थियों को खीर देकर किया। इस अवसर पर समस्त शिक्षक छात्र–छात्राएं तथा कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा : राहगीर को मिले फुटपाथ पर चलने का हक!

के. विक्रम राव

राजधानी लखनऊ का एक और वाकया है जिससे मैं जुड़ा रहा था। प्रतिभा सिनेमा के पास सचिवालय के लिये ही एक इमारत बनी है। नाम है बापू भवन! पुराना रायल होटल था। नया भवन बना तो आगे प्रवेश मार्ग पर एक मजार बन गयी। पूर्वी छोर पर एक शिवालय बना है। इसे मैंने खुद कई बार तुड़वाया था। मगर उस माह मैं लखनऊ के बाहर था। मंदिर चुपचाप बन गया। तब प्रमुख सचिव थे श्री नृपेन्द्र मिश्र। मेरी शिकायत पर तहकीकात शुरू हुयी। मिश्रजी जो नरेन्द्र मोदी के प्रमुख सचिव भी रहे का तर्क बड़ा सटीक थाः 'मंदिर बनवाने वाले की ही सरकार है अतः सड़क की सुविधाहेतु वे अतिक्रमण को हटायें तो उचित ही होगा।' मगर आजतक यह शिवालय टूटा नहीं।

अगर आज महाभारत वाले यक्ष ने पाण्डुपुत्र युधिष्ठिर से सवाल पूछा होता कि : ह्यभूलोक में सर्वाधिक दुखी मानव कौन है ?ह्व तो ! वेदव्यास-रचित इस महाभारत के वनपर्व के अध्याय 313 की प्रश्नोत्तरी-स्टाइल में कुंतीपुत्र ज्येष्ठ पांडव जवाब देते : ह्यभारत के फुटपाथ पर चलता दो पैरोंवाला इंसान।ह्व यक्ष भी तत्काल सहमत हो जाता और खुश होकर फिर से अर्जुन, भीम, नकुल, सहदेव के प्राण लौटा देता। कारण ? आज मृत्युलोक में सर्वाधिक शोकाकुल, संतप्त, त्रस्त, अतिउत्पीड़ित प्राणी वही है। फुटपाथ पर बचते, गिरते, पड़ते, धकियाते ये राहगीर बेचारे !

इसी परिवेश में कल (13 जुलाई 2023) उच्चतम-न्यायालय के दो-सदस्यीय खंडपीठ के न्यायमूर्ति अभय श्रीनिवास ओका और न्यायमूर्ति संजय करोल ने एक अति महत्वपूर्ण फैसले में सुविचारित आदेश दिया : ह्यफुटपाथ का इस्तेमाल लोगों के पैदल चलने के अलावा किसी अन्य गतिविधियों के लिए करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है।ह्व शीर्ष न्यायालय ने दिल्ली मेट्रो के डिपो बनाने के लिए अधिग्रहीत जमीन पर बने फुटपाथ पर व्याप्त अतिक्रमण के खिलाफ डीडीए को आवश्यक कार्यवाही करने का आदेश देते हुए यह टिप्पणी की गई थी। अर्थात दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और मेट्रो ट्रेन डिपो से सटे एक फुटपाथ का इस्तेमाल पैदल यात्रियों के अलावा किसी अन्य उद्देश्य के लिए करने की अनुमति नहीं दे सकते। भूमि-अधिग्रहण से संबंधित एक मामले पर निर्णय देते हुये मेट्रो डिपो की तस्वीरों को कोर्ट ने देखा और पाया कि इस जगह से सटे फुटपाथ के एक हिस्से पर एक ह्लकार क्लिनिकह्व और अन्य विक्रेताओं ने कब्जा कर लिया है।

न्यायमूर्ति-द्वय भूमि अधिग्रहण से संबंधित मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय के 2016 के फैसले के खिलाफ डीडीए द्वारा दायर अपील पर सुनवाई कर रहे थे। इकसठ-वर्षीय न्यायमूर्ति संजय करोल काफी अनुभवी हैं। उन्होंने पटना, अगरतला और शिमला के फुटपाथों पर राहगीरों की यातनायें देखीं हैं। वे इन तीनों राज्यों में कार्यरत थे। पटना हाईकोर्ट के तो वे मुखिया रहे। तिरसठ-वर्षीय न्यायमूर्ति अभय श्रीनिवास ओका मुंबई की गलीच मार्गव्यवस्था के भुक्तभोगी होंगे। बेंगलुरु के भी, जहां वे कर्नाटक हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश थे।

इस आलेख की बीज-बात यही है कि मजारों, मंदिरों, खोंचेवालों, पार्किंग ड्राइवर वगैरह को जब तक नियम-पालक नहीं बनाया जाएगा, ऐसी मानव यातना मृत्युलोक पर बनी रहेगी ही। करीब हर राज्य में, खासकर उत्तर प्रदेश, केरल, गुजरात आदि में शासकीय और न्यायिक आदेश के बावजूद सार्वजनिक स्थानों पर अवैध-कब्जे बरकरार हैं। इस समस्त प्रकरण में दक्षिणी सागरतटीय राज्य केरल का उल्लेख पहले हो। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा शासित इस प्रदेश में कानूनी निर्देश था कि अब कोई भी नयी मस्जिद निर्मित नहीं होगी। यहां मुस्लिम आबादी 26.56 प्रतिशत है। हिन्दू 54.73 फीसदी तथा ईसाई 18.38 हैं। इसका संदर्भ है कि एक इस्लामी संस्था नुरूल इस्लाम संस्कारिक संगठन ने मुस्लिम-बहुल मल्लपुरम जनपद के नीलाम्बूर क्षेत्र में एक वाणिज्यी भवन को मस्जिद के रूप में अधिकृत कर दिये जाने की मांग की थी। याचिकाकर्ता ने कुरान की आयात का हवाला देकर अनुरोध किया है कि हर अकीदतमंद मुसलमान को मस्जिद सुगमता से उपलब्ध हो जाना चाहिये। इसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया।

भाजपा-शासित उत्तर प्रदेश में फुटपाथ पर बने मंदिरों को ध्वस्त करने का आदेश (12 मार्च 2021) जारी कर हिन्दुत्ववादी योगी आदित्यनाथजी ने अपनी सेक्युलर विश्वसनीयता जाहिर कर दी थी। धर्म के नाम पर अतिक्रमण खत्म करने का उनका यादगार निर्णय था। अर्थात नालों पर से शिवालों की भांति, चौराहों पर से मजारें भी हटनीं चाहिये। धर्म की आड़ में धंधा करने वाले भूमाफिया खत्म हों। न्यायालयों के कई आदेश हैं कि सार्वजनिक स्थलों पर धर्मसंबंधी निर्माण कार्य की अनुमति नहीं होगी। मजहब के नाम पर भावनात्मक जोर-जबरदस्ती से सरकारी जमीन पर गैरकानूनी कब्जा करने वाले भूमाफिया लोग जनास्था का व्यापारीकरण करते हैं। भारत का प्रत्येक पैदल चलता व्यक्ति इस तथ्य का गवाह है। लखनऊ में कई नालों को पाटकर शिवाले बनाए गए हैं, जहां पुजारीजी का मुफ्त का मकान, चरस गांजे का व्यापार, चढ़ावे का माल अलग अर्थात कुल मिलाकर बिना पूंजी लगाए लाभ ही लाभ है !

इस्लामी जमात को भी अब अधिक जागरूक होना चाहिए ऐसे मजहबी सौदागरों से, जो फुटपाथ पर मजार के नाम पर कब्जा करते हैं। ऐशबाग की पाक कब्रगाह की जमीन पर काबिज होकर दुकानें खोल दिये। मुनाफा कमा रहे हैं। उस रकम को बैंक में जमाकर उसके सूद से तिजारत बढ़ाते हैं। कुराने पाक में कहा गया है कि रिबा (ब्याज) हराम है, फिर भी इन मुसलमानों कोई खौफ नहीं होता। अतः यदि आस्था और अकीदे की आड़ में अतिक्रमण खत्म हो जाये तो नगरों का सौष्ठव निखर उठेगा। इसलिये इन नरक (नगर नहीं) से त्राण हेतु योगी सरकार को लोग याद रखेंगे।

राजधानी लखनऊ का एक और वाकया है जिससे मैं जुड़ा रहा था। प्रतिभा सिनेमा के पास सचिवालय के लिये ही एक इमारत बनी है। नाम है बापू भवन! पुराना रायल होटल था। नया भवन बना तो आगे प्रवेश मार्ग पर एक मजार बन गयी। पूर्वी छोर पर एक शिवालय बना है। इसे मैंने खुद कई बार तुड़वाया था। मगर उस माह मैं लखनऊ के बाहर था। मंदिर चुपचाप बन गया। तब प्रमुख सचिव थे श्री नृपेन्द्र मिश्र। मेरी शिकायत पर तहकीकात शुरू हुयी। मिश्रजी जो नरेन्द्र मोदी के प्रमुख सचिव भी रहे का तर्क बड़ा सटीक थाः 'मंदिर बनवाने वाले की ही सरकार है अतः सड़क की सुविधाहेतु वे अतिक्रमण को हटायें तो उचित ही होगा।' मगर आजतक यह शिवालय टूटा नहीं। बल्कि फैलता ही गया। राहगीरों की व्यथा और असुविधा बढ़ती ही गयी। अब आवश्यकता है कि स्वयं भोले शंकर ही अवतार लें। इन मजहबी डाकूओं को दण्डित करें। शुरूआत ज्ञानवापी और ईदगाह (मथुरा) से ही हो।

संपादकीय

जल निकासी की नाकामी

ीति-नियंताओं के लिये यह शर्म का विषय होना चाहिए कि देश की ाजधानी जलमग्न है। तात्कालिक तौर पर कह सकते हैं कि अतिवृष्टि से नबालब यमुना इस संकट की वजह है। लेकिन यदि हम इस संकट का ूसरा पहलू देखें तो राष्ट्रीय राजधानी में जल निकासी का सिस्टम बाढ़ व ारिश के पानी के सामने लाचार नजर आया है। बाढ़ के मुद्दे पर दिल्ली ी आप सरकार और भाजपा के बीच आरोपों-प्रत्यारोपों की बाढ़ आई हुई । लेकिन किसी ने इस बात की जिम्मेदारी लेने की कोशिश नहीं की कि मय रहते दिल्ली की ड्रेनेज व सीवर लाइन को अतिवृष्टि से मुकाबले के लिये क्यों तैयार नहीं किया गया है। वहीं कभी नहीं सोचा गया कि यदि मुना में पांच दशक बाद बाढ़ आएगी तो अतिरिक्त जल निकासी का कोई ारगर तंत्र तैयार किया जाए। देश में प्रतिभावान इंजीनियरों की कमी नहीं लेकिन राजनेताओं की तरफ से कोई ईमानदार पहल होती नजर नहीं ाती। ऐसे वक्त में जब ग्लोबल वार्मिंग संकट के चलते बारिश के पैटर्न ं बदलाव आया है और कम समय में ज्यादा तेज बारिश होती है, हमें विलंब जल निकासी के लिये नई रणनीति पर गंभीरता से विचार करना ाहिए। यह सवाल दिल्ली का ही नहीं है, देश के अन्य महानगरों मसलन न्नई, मुंबई और बंगलूरू में पिछले कुछ वर्षों में ज्यादा बारिश से जो यावह संकट उपजा था, वह आने वाले समय में देश के हर शहर के लिये खतरा बन सकता है। विडंबना यह है कि हमने पानी के प्राकृतिक हाव के तमाम स्रोतों को मिट्टी से पाटकर उन पर ऊंची-ऊंची मंजिलें खड़ी र दी हैं। लेकिन जिन विभागों की जिम्मेदारी है कि जल निकासी के र्याप्त प्रबंधन के बाद नक्शे पास किये जाएं, वे ले-देकर चुप हो जाते हैं। ानी का स्वभाव है कि वह ऊंचे स्थान से नीचे की तरफ बहता है। निचले थानों पर कंक्रीट के जंगल उग आए हैं। जिन विभागों की जिम्मेदारी इनकी गरानी करना था, वे आंखें मूंदे बैठे रहते हैं। वहीं राजनेता भी वोट बैंक के लिये ऐसे स्थानों पर नई बस्तियां बसा देते हैं जहां नदी का विस्तार क्षेत्र ोता है। यमुना की बाढ़ के पानी ने ऐसे ही स्थानों से लोगों को सबसे पहले विस्थापित किया। सही मायनों में दिल्ली के नये शासकों को पता भी नहीं ोगा कि दिल्ली की जल निकासी के लिये पिछली सदी के आठवें दशक ं जो मास्टर प्लान बना था, उसमें बदलाव के लिये इस सदी में कोई ोशिश हुई भी कि नहीं।

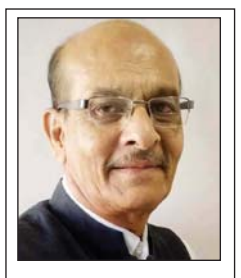

सनत जैन

कर्ज चुकाने के लिए कर्ज ले रही हैं सरकारें

पिछले वर्षों में केंद्र एवं राज्य सरकारों का कर्ज लगातार बढ़ता ही जा रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकार की आय का बड़ा हिस्सा कर्ज के ब्याज और किस्त के रूप में जा रहा है। जिसके कारण विकास कार्य और जन सामान्य की योजनाओं पर विपरीत असर पड़ने लगा है। पिछले वर्षों में लगातार टैक्सों में वृद्धि की गई है। जीएसटी के माध्यम से अब खाने-पीने की और रोजमर्रा की सभी चीजों पर 12 फीसदी से लेकर 28 फीसदी तक टैक्स लग रहा है। जीएसटी लागू होने के बाद भी बड़ा निर्धनवर्ग भी भारी टेक्स के दायरे में आ गया है। जिसके कारण उसके जीवन यापन में मुश्किलें पैदा हो गई हैं। रही-सही कसर पेट्रोल, डीजल और गैस में भी उपभोक्ताओं को भारी टैक्स के रुप में चुकाना पड़ रहा है। निम्न एवं मध्यम वर्ग के नागरिकों को अपनी आय का 60 फीसदी तक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से टैक्स में चुकाना पड़ रहा है। जिसके कारण नागरिकों की क्रय क्षमता दिनों दिन कम होती जा रही है।

हाल ही में मध्य प्रदेश सरकार को ब्याज चुकाने के लिए अनुपूरक बजट में मांग करनी पड़ी। 2269.90 करोड का प्रावधान मध्य प्रदेश सरकार ने बजट में कर रखा था। ब्याज की रकम ज्यादा हो गई है, इसलिए सरकार ने अनुपूरक बजट के माध्यम से 761.90 करोड़ रुपए और स्वीकृत कराए। मध्य प्रदेश सरकार ने पिछले 2 माह में 6000 करोड़ रुपए का कर्ज बाजार से लिया है। राज्य सरकार के ऊपर पहले से ही 3,31,000 करोड़ रुपए का कर्ज है। जबकि बजट में 3,14,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा चुनाव पूर्व कई ऐसी घोषणा की गई हैं। जिसके कारण सरकार का कर्ज लगातार बढ़ रहा है। भुगतान संतुलन बनाए रखने के लिए राज्य सरकारों और केंद्र सरकार को अब कर्ज का सहारा लेना पड़ रहा है। यह स्थिति अकेले मध्यप्रदेश की नहीं है। लगभग लगभग सभी राज्यों की है। उदाहरण स्वरुप मध्यप्रदेश सरकार ने दो लाख करोड़ रुपए के विकास कार्य के भूमि पूजन कर दिए हैं। लेकिन इनके लिए धन कहां से आएगा, इसके बारे में वित्त मंत्रालय के अधिकारी भी नहीं बता पा रहा हैं, कि किस तरह से यह धन प्राप्त होगा। आम जनता पर विभिन्न तरह से पिछले वर्षों में टैक्स की भारी वृद्धि की गई है। सरकारी यदि टैक्स को बढ़ाएगी तो आम जनता सड़कों पर आने के लिए अब विवश हो जाएगी। लोगों के अपने घर का जरूरी खर्चा भी पूरा नहीं हो पा रहा है। लगातार उन्हें अपने खर्चों में कटौती कर रहे हैं। राहत मिलना तो दूर, उनके ऊपर यदि टैक्स बढ़ाया गया तो उनका जीवन ही मुश्किल में पड़ जाएगा। सरकार द्वारा समय पर जो विकास कार्य एवं निमार्ण कार्य करने थे, समय पर राशि उपलब्ध नहीं होने के कारण उनकी लागत भी बढ़ रही है। योजनाओं का लाभ भी आम जनता को नहीं मिल पा रहा है। चुनाव को देखते हुए राज्य सरकारों एवं केन्द्र सरकार द्वारा लोक लुभावन योजनाओं के लिये खजाने की राशि को बिना सोचे-समझे खर्च किया जा रहा है। इससे वित्तीय स्थिति दिनों-दिन खराब हो रही है। केंद्र एवं राज्य सरकारों के साथ-साथ सभी राजनीतिक दलों को इस आर्थिक स्थिति के बारे में चिंतन करने की जरूरत है। समय रहते यदि आर्थिक स्थिति पर विचार नहीं किया गया तो इसके दुष्परिणाम सभी को भोगने पड़ेंगे।

दांव-पेच : सत्ता पक्ष और विपक्ष की राजनीति

पक्ष विपक्ष के बीच राजनीति और रणनीति बहुत तेज गति से दिलचस्प चुनावी रण की तरफ बढ़ रही है। लोक सभा चुनाव 2024 में मोदी मैजिक बरकरार रहेगा या विपक्षी एकजुटता बाजी मार जाएगी। यह सवाल अब पहेली बनता जा रहा है।

हाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने भाषण में कहा कि अगर जनता एनसीपी, सपा, राजद, डीएमके जैसी परिवारवादी पार्टियों को वोट करेगी तो इन दलों के प्रमुख नेताओं के पुत्र-पुत्रियों को इसका राजनीतिक लाभ मिलेगा। उन्होंने कांग्रेस सहित भाजपा के खिलाफ लामबंद सभी विपक्षी दलों को भ्रष्ट भी बताया और उन पर लगभग बीस लाख करोड़ का भ्रष्टाचार करने का आरोप मढ़ दिया। लगता है कि चुनाव में भाजपा के सामने परिवारवाद और भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाने के अलावा विकल्प नहीं है। एक पुराना सवाल भी दुहराया जा रहा है कि मोदी के खिलाफ विपक्ष की तरफ प्रधानमंत्री का उम्मीदवार कौन होगा? भाजपा को बिखरे हुए विपक्ष में अपनी निश्चित जीत दिखती है।

यही कारण है कि वह विपक्षी एकजुटता को खंडित करने की जोरदार कोशिश कर रही है। बीते वर्ष अगस्त में नीतीश कुमार ने भाजपा से नाता तोड़ महागठबंधन के समर्थन से बिहार में सत्ता परिवर्तन किया। मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण के पश्चात नीतीश ने खुलेआम घोषणा की कि वे भाजपा के खिलाफ देश स्तर पर सभी विपक्षी दलों को एकजुट करने की कोशिश करेंगे ताकि मोदी सरकार को हराया जा सके। इसी निश्चय को फलीभूत करने के लिए नीतीश-तेजस्वी ने अनेक विपक्षी दल के नेताओं से मिलकर एकजुटता का प्रयास किया जिसके परिणामस्वरूप 23 जून, 2023 को पहली विपक्षी बैठक पटना में हुई। पंद्रह दलों के अध्यक्ष और नेताओं ने एकजुट होकर मोदी सरकार को लोक सभा में हराने की प्रतिबद्धता दोहराई।

भाजपा की मोचाबंदी के बिंदु पर एनसीपी (शरद पवार), शिव सेना (उद्धव), डीएमके, टीएमसी, झामूमो, राजद, जदयू, सपा और वाम दल समूह जैसी पार्टियों के बीच सहमति लगभग बन चुकी है। अब लोक सभा की एक सीट-एक उम्मीदवार के फॉमूर्ले पर चुनावी रणनीति भी तैयार होंगी। मोदी बनाम विपक्षी चेहरे की बजाय जन सरोकार के मुद्दे ही चुनाव अभियान के केंद्र में होंगे और उन मुद्दों को रेखांकित भी किया जाएगा। मुहिम में कांग्रेस ने राज्य स्तर पर बड़ा दिल दिखाने का मन बना चुकी है।

महाराष्ट्र में शिवसेना, पंजाब में अकाली दल और बिहार में जदयू जैसे तीन राज्य-स्तर पर मजबूत घटक दल भाजपा का साथ छोड़कर उसके मुखर विरोधी बन चुके हैं। टीएमसी जैसे भाजपा के पूर्व सहयोगी दल भी मोदी सरकार की खुलकर मुखालफत कर रहे हैं। ओडिशा में बीजू जनता दल और आंध्र प्रदेश में वाईएसआर जैसी पार्टियां, जो मुद्दों के आधार पर सरकार के साथ खड़ी रही हैं, भी गठबंधन में आने को तैयार नहीं दिख रहीं। उत्तर-पूर्व में मणिपुर में गृह युद्ध जैसी स्थिति भी भाजपा द्वारा प्रचारित डबल इंजन सरकार की विफलता ही मानी जाएगी। ऐसी राजनीतिक परिस्थिति में भाजपा दोहरे संकट से गुजर रही है। पहला, कोई नया राजनीतिक दल फिलहाल भाजपा के साथ आने को तैयार नहीं दिख रहा। दूसरा, हालिया संपन्न कर्नाटक विधानसभा चुनाव 2023 में प्रयास के बावजूद मिली हार से भाजपा विचलित है। मोदी सरकार को हराना नामुमकिन है, अब यह धारणा स्वाभाविक ढलान पर है।

इसके तीन प्रमुख कारण हैं, जिनमें पहला भ्रष्टाचार है। भाजपा की नजर में कोई दल या उसके नेता तभी तक भ्रष्टाचारी या दागी हैं, जब तक वे विरोधी खेमे में हैं। एक तरफ भाजपा विपक्ष को भ्रष्टाचारियों का गठबंधन साबित करने में जुटी है वहीं विपक्ष भी भाजपा को उन तथाकथित भ्रष्टाचारियों के लिए वाशिंग मशीन बता रहा है, जो दबाव में या बागी बनकर विपक्ष से भाजपा के साथ चले जाते हैं। इसलिए विपक्षी एकजुटता के खिलाफ भ्रष्टाचार का नैरेटिव वांछित प्रभाव नहीं डाल पा रहा।

दूसरा, विपक्षी दलों को तोड़ने या डराने के लिए ईडी/आईटी/सीबीआई जैसी जांच एजेंसियों का दुरुपयोग भी स्थापित प्रचलन बन गया है। जनविमर्श में इनके द्वारा छापों का मतलब सिर्फ टीवी में ब्रेकिंग न्यूज और समाचार पत्रों के मुख्य पृष्ठ की खबर बन कर रह गया है। तीसरा, जन सरोकार के मुद्दे पर दस साल का हिसाब देना भी भाजपा के लिए चुनौती है। चुनावी वर्ष भाजपा के वायदों के आकलन, बेरोजगारी, अर्थव्यवस्था, केंद्र-राज्य संबंध और भाजपा की राजनीति व शासन का समेकित विवेचन वर्ष होगा। इन मुद्दों को विपक्षी गठबंधन अपने चुनाव अभियान में शामिल कर मोदी सरकार को घेरेगा वहीं भाजपा अपने प्रचारतंत्र से जवाब देगी। देखना दिलचस्प होगा कि जनमानस को कौन ज्यादा प्रभावित कर पाता है। एक तरफ जो डर जाए वो मोदी नहीं नैरेटिव है, तो डर से लड़ने को विपक्षी दलों की तैयारी बैठक 17-18 जुलाई, 2023 को बैंगलुरू में हो रही है। देखा जाना है कि विपक्षी एकजुटता की कवायद क्या रंग लेती है।

- नवल किशोर

चिंतन-मनन

सुख के स्वभाव में डूबो

गता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को कड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर खता है। दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख ख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी ानंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी खवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद ोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो लता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक नकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश र रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं। और ऐसा हीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते ं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें मसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम , उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर ादमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो मारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि मारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के ाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को खो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी गाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते ं। मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैंः हम सुख चाहते हैं। अगर म सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख ो चारों तरफ मौजूद है। गंगा सामने बहती है और गंगा के लिए तो चाहे ो कदम भी उठाना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने क बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है। तुम जस दिन तय कर लोगे कि आनंदित होना है, उसी क्षण आनंदित हो ाओगे। फिर एक पल की भी देरी नहीं है। देरी का कोई कारण नहीं है।

नव नियुक्त प्रदेश के 148 आपूर्ति निरीक्षकों हेतु 21 दिवसीय आवासीय आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

खब्बर दृष्टिकोण

लखनऊ। दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान बख्शी का तालाब, लखनऊ द्वारा 17 जुलाई से 06 अगस्त 2023 की अवधि में आयुक्त खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधीनस्थ नव नियुक्त प्रदेश के 148 आपूर्ति निरीक्षकों हेतु 21 दिवसीय आवासीय आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह संस्थान के अपर निदेशक बी०डी० चौधरी की अध्यक्षता व मुख्य अतिथि श्री सौरभ बाबू ,आयुक्त खाद्य एवं रसद तथा विशिष्ट अतिथि जी०पी० राय अपर आयुक्त, पार्थ अच्युत संयुक्त आयुक्त,

राकेश तिवारी जिला पूर्ति अधिकारी, बाराबंकी तथा निलेश उत्पल जिला पूर्ति अधिकारी अमेठी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में आयुक्त खाद्य एवं रसद उ0प्र0 , श्री सौरभ बाबू ने समस्त उपस्थित नव नियुक्त आपूर्ति निरिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी प्रतिभागियों के लिए सौभाग्य का विषय है कि विभाग की ओर से 21 दिवसीय आवासीय आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम एक राज्य स्तरीय शीर्षस्थ प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित किया जा रहा है। सभी प्रशिक्षणार्थी अनुशासनबद्ध रूप से व मनोयोग के साथ प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्रबुद्ध वार्ताकारों के विषयगत ज्ञान को ग्राहय करें तदोपरान्त अपने–अपने कार्य क्षेत्र में जाकर कुशलता के साथ शासकीय कार्यों का निष्पादन करेंगे।

संस्थान के अपर निदेशक बी०डी० चौधरी द्वारा

प्रशिक्षु प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण के दौरान आप सभी को उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली 1999 तथा उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी आचरण नियमावली 1956, सामान्य वित्तीय नियम, जनसूचना अधिकार, पंचायती राज व्यवस्था, ग्राम पंचायत विकास योजनाएँ सतत् विकास लक्ष्य, सोशल ऑडिट तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन इत्यादि राज्य सरकार के अनेकों प्रासंगिक कार्यक्रमों के विषय में राष्ट्रीय राज्य स्तरीय विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रबुद्ध वार्तायें प्रदान की जायेंगी । प्रशिक्षु प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए निलेश उत्पल जिला पूर्ति अधिकारी द्वारा विभाग के संस्थागत ढाँचे, विभागीय कार्यों की अवधारणा उद्देश्य तथा पूर्ति निरीक्षकों की भूमिका के विषय में विस्तृत रूप से बताया गया। जी०पी० राय अपर आयुक्त द्वारा प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण अवधि में प्रत्येक प्रबुद्ध विषयगत वार्ताकारों द्वारा दिये गये ज्ञान को अपने कार्यक्षेत्रों में जाकर यथोचित ढंग से प्रतिबद्धता, निष्ठा तथा ईमानदारी के साथ अनुपालन करेंगे। इस आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम के नियंत्रक अधिकारी डा० एस० के० सिंह सहायक निदेशक संस्थान, सहायक प्रभारी अधिकारी संजय कुमार सहायक निदेशक संस्थान, नोडल ऑफिसर कुमार दीपक वरिष्ठ सलाहकार संस्थान, अल्का शर्मा संकाय सदस्य संस्थान तथा मो० शाहरूख कम्प्यूटर ऑपरेटर संस्थान द्वारा कार्यक्रम के प्रबंधन, आयोजन व संचालन के दृष्टिगत महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

मजदूर का शव घर पहुंचा तो लिपटकर बिलख पड़ी दिव्यागं पत्नी

निर्माणाधीन होटल की स्थायी लिफ्ट गिरने से मृतक मजदूर का पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचने पर मचा कोहराम

मृतक मजदूर के परिवार को प्रशासन व जनप्रतिनिधियों से मदद की दरकार

मोहनलालगंज। पीजीआई के वृंदावन योजना के सेक्टर –6 में बीते रविवार को निर्माणाधीन होटल की अस्थायी लिफ्ट टूट कर गिरने से उसमें चढकर काम कर रहे मजदूर भरतलाल(42वर्ष) की मौत हो गयी थी,सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद मृतक मजदूर भरतलाल का शव निगोहां के कुशमौरा स्थित घर पहुंचा तो कोहराम मच गया,दिव्यागं पत्नी मंशा देवी व बेटी रागनी,सोनम,बेटा साहिल, चिन्नी शव से लिपटकर बिलख पड़ेइस दौरान परिवार का करूणा क्रदंन देख मौके पर मौजूद रिश्तेदारो समेत ग्रामीणो की आंखे नम हो गयी ।ग्रामीणो ने बताया मृतक भरतलाल मजदूरी कर किसी तरह अपने परिवार के लिये दो जून की रोटि जुटाता था,अब उसकी मौत से परिवार पर जहा इक ओर दुखो का पहाड़ टूट पड़ा है तो परिवार के आगे रोटी का भी संकट आ गया है,मृतक भरतलाल की पत्नी मंशादेवी एक पैर से दिव्यांग

है घ्से में पति की मौत के बाद बच्चो का पेट कैसे पलेगा इसको लेकर सब परेशान है,देर शाम परिजनो ने मृतक मजदूर के शव का गांव में अन्तिम संस्कार किया ।मृतक की पत्नी मंशादेवी की तहरीर पर पीजीआई पुलिस ने होटल मालिक एसपी सिहं व रवि माधव के विरूद्व गैर इरादन हत्या की धाराओ में मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गयी हैं।

प्रशासन व जनप्रतिनिधियों से मदद की दरकार.....

मृतक मजदूर भरतलाल के परिवार की माली हालत बहुत खराब है,उसके द्वारा मजदूरी के बाद मिले पैसो से परिवार के लिये दो जून की रोटी का इन्तजाम हो पाता था,दिव्यागं पत्नी मंशादेवी व बच्चो को सरकार समेत स्थानीय प्रशासन व जनप्रतिनिधि से मदद की आश है जिसके परिवार का खर्च चल सके ।हालाकि परिवार को घटना के बाद से अब तक किसी भी तरह की आर्थित मदद निर्माणाधीन होटल के मालिक या प्रशासन से नही मिली है ।पीड़ित परिवार की मदद करने की बात तो दूर कोई भी स्थानीय प्रशासन का अफसर या जनप्रतिनिधि ा ढाढंस बंधाने भी मृतक मजदूर के घर नही पहुंचा। जिसको लेकर पीड़ित परिवार समेत ग्रामीणोद में आक्रोश व्याप्त है।

फरियादियों के पास खुद चलकर गये उप मुख्यमंत्री

लगभग 03 दर्जन से अधिक जिलों के कई सैकड़ा लोगों ने रखी अपनी समस्यायें

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने– 7 कालीदास मार्ग स्थित आवास (कैम्प कार्यालय) पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में विभिन्न जनपदों से आये लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण का आश्वासन दिया। उन्होने जनसुनवाई के दौरान एक–एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। निर्देश दिए कि गुणवत्तापूर्ण सन्तोषजनक फीड बैक के साथ शिकायतों का निस्तारण करें। लगभग जनता दर्शन में प्रयागराज, बलरामपुर , फतेहपुर, प्रतापगढ़, कौशांबी, गोरखपुर ,पीलीभीत, मैनपुरी, मुरादाबाद ,कानपुर ,बिजनौर ,अलीगढ़, सुल्तानपुर ,अमरोहा ,आजमगढ़ ,ललितपुर, वाराणसी, हाथरस, शाहजहांपुर, कौशांबी, सीतापुर, सुल्तानपुर ,बुलंदशहर, अलीगढ़ ,मदोही व गाजीपुर 03 दर्जन से अधिक जिलों के कई सैकड़ा लोगों ने अपनी समस्यायें रखी। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए है कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाय कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार –बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने महिलाओं दिव्यांगों बुजुर्गों की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए ।जनता दर्शन में भूमि विवाद ,दुर्घटनाओं से संबंधित ,अवैध कब्जे, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास आवंटन, स्कूल निर्माण, भूमि पट्टा, कब्जा दिलाने, अतिक्रमण हटाने,सड़क बनवाने, बिजली, अभियुक्तों की गिरफ्तारी कराने, आदि से संबंधित विभिन्न समस्याएं प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों ने रखी। जनता दर्शन समस्याओं के निस्तारण के बावत कई उच्चाधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता भी की।

ज्ञान के आदान-प्रदान पर सहयोग समझौते के लिए क्रोएशिया के प्रतिनिधियों से हुई चर्चा

उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद 'उपकार', लखनऊ द्वारा जैग्रेब विश्वविद्यालय, क्रोएशिया तथा प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों के मध्य ज्ञान के आदान-प्रदान के संबंध में सहयोग समझौते हेतु की गयी साझा बैठक

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार), लखनऊ द्वारा जैग्रेब विश्वविद्यालय, क्रोएशिया तथा प्रदेश के कृषि

विश्वविद्यालयों व बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी के मध्य कृषि शोध व शिक्षा के ज्ञान के आदान–प्रदान के संबंध में सहयोग समझौते हेतु क्रोएशिया से आये प्रतिनिधि मण्डल के साथ एक साझा बैठक का आयोजन दिनांक 17 जुलाई, 2023 को होटल हयात, रेजीडेन्सी, गोमतीनगर, लखनऊ में किया गया। बैठक की अध्यक्षता मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान सूर्य प्रताप शाही द्वारा की गई। उ0प्र0 कृषि अनुसंधान परिषद के वैज्ञानिक अधिकारी एवं मीडिया प्रभारी विनोद कुमार तिवारी ने जानकारी दी कि बैठक में जैग्रेब विश्वविद्यालय, क्रोएशिया प्रतिनिधि ा मण्डल के इविका कृसिक, अधिष्ठाता, कृषि संकाय (धर्मपत्नी मारिका कृसिक के साथ)य उप अधिष्ठाता अंतर्राष्ट्रीय सहयोग मिस क्रिस्टीना किजक तथा उप अधिष्ठाता विज्ञान मिस क्लॉडिया स्टैन्को कारोविक द्वारा प्रतिभाग किया। बैठक में अतिथि बलदेव सिंह औलख, राज्य मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधानय डा. के. वी. राजू, आर्थिक सलाहकार, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेशय डा. देवेश चतुर्वेदी, अपर मुख्य सचिव, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधानय डा. राजशेखर, कृषि सचिव, उत्तर प्रदेशय डा. संजय सिंह, महानिदेशक, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद एवं इस कार्यक्रम के नोडल अधिकारीय डा. बिजेन्द्र सिंह, कुलपति, कृषि एवं प्रो. वि.वि., अयोध्याय डा. के.के. सिंह, कुलपति, कृषि एवं प्रो. वि.वि., मेरठय डा. एम. के. पाण्डेय, कुलपति बुदेलखण्ड विश्वविद्यालयाय अजय कुमार द्विवेदी, विशेष सचिव, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान उत्तर प्रदेश शासन एवं इस कार्यक्रम के समन्वयक डा. विजय कुमार यादव, निदेशक शोध, कृषि एवं प्रो. वि.वि. , कानपुर द्वारा प्रतिभाग किया गया। क्रोएशिया से आये प्रतिनिधि ा मण्डल को कृषि विज्ञान केन्द्र, हैदरगढ़ का भ्रमण कराया गया। इस साझा बैठक में जैग्रेब विश्वविद्यालय, क्रोएशिया तथा प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों व बुंदेलखण्ड वि.वि., झांसी में ज्ञान के आदान–प्रदान के संबंध में सहयोग समझौते के विभिन्न पहलुओं पर विचार–विमर्श किया गया तथा रणनीति तैयार की गई। इस संबंध ा में जैग्रेब विश्वविद्यालय, क्रोएशिया से एम.ओ.यू. किये जाने की कार्यवाही की जानी प्रस्तावित है।

वर्चुअल बैठक कर मंडल और जनपद स्तरीय के अधिकारियों के साथ की समीक्षा

अधिकारियों से की विभिन्न आस्था के स्थलों को गोद लेकर पौधारोपण बढ़ाने की अपील

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उद्यान विभाग वृक्षारोपण महाभियान–2023 कार्यक्रम के लिए न केवल पौधों की आपूर्ति करेगा बल्कि स्वयं विभाग द्वारा उपलब्ध भूमियों पर विभिन्न प्रकार के पौधे लगाकर बागवानी व वनावरण विस्तार के कार्य को बढ़ाया जाएगा। इसके साथ ही धार्मिक और आस्था के स्थलों पर विशेष प्रकार के पौधों का रोपण करके पौधारोपण में सामुदायिक सहभागिता को भी बढ़ावा दिया जाएगा। यह बात आज प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह द्वारा अपने राजकीय आवास पर आगामी 22 जुलाई तथा 15 अगस्त को प्रदेश भर में मनाए जाने वाले वृहद पौधारोपण कार्यक्रम की तैयारियों के संदर्भ में विभागीय रणनीति पर वर्चुअल समीक्षा के दौरान कही गई। उन्होंने तीन दिवसीय आम महोत्सव के सफल आयोजन के लिए सभी विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाइयां भी दीं। उद्यान मंत्री ने प्रदेश भर के जिला उद्यान अधिकारियों तथा उद्यान उप निदेशकों से कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुसार प्रदेश में बागवानी के स्तर को ऊंचा उठाकर प्रदेश के पर्यावरण और किसानों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाना होगा। इसके लिए आवश्यक है कि लक्ष्य निर्धारित कर विभाग का प्रत्येक अधिकारी स्वयं भी वृक्षारोपण कार्यक्रम का हिस्सा बने। अपने बच्चे की तरह अपने लगाए हुए पौधों की भी परवरिश का जिम्मा लें। इसके साथ ही आस्था के विभिन्न स्थलों को स्वयं गोद लेकर वहां वृक्षारोपण के कार्यक्रम को सफल बनाएं। इसके लिए सभी अधिकारी सोशल मीडिया पर तथा मीडिया के माध्यम से विशेष प्रचार प्रसार का कार्य करें ताकि अधिक से अधिक जनसमुदाय को पौधारोपण कार्यक्रम में भागीदार बनाया जा सके। उद्यान मंत्री ने विभागीय अधिकारियों से भी अपेक्षा की है कि विरासत वृक्षों को अंगीकृत कर परम्परागत रूप से जैव विविधता संरक्षण करने वाले स्थानीय समुदाय के प्रयासों को मान्यता दें। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि उद्यान विभाग को केवल पौधे ा प्रदान करने वाले व्यवहार के रूप में पहचान न दिलाएं बल्कि इस बात का ध्यान रखें कि गांव अथवा शहर में जहां कहीं भी कोई स्थान उपलब्ध ा हो वहां उद्यान विभाग द्वारा बहुमूल्य फल, फूल, औषधि के पौधे लगाकर बागवानी संकुल विकसित किया जाए। साथ ही आम जनता से भी अपेक्षा रखी है कि वे जैव विविधता और वृक्षों के संरक्षण में योगदान देकर प्रदेश को हरा–भरा करने में सहयोगी एवं सहभागी बनें। निदेशक उद्यान डॉ. आर0के0 तोमर ने कहा कि समस्त विभागीय अधिकारी और वन विभाग से संबंध से समन्वय स्थापित कर उपलब्ध कराए जा रहे पौधों का पंजीकरण सुनिश्चित कराएं। साथ ही यह लेखा–जोखा भी बनाएं कि पौधा कहां से और किसे दिया गया तथा उसे कहां लगाया गया है, उसकी वर्तमान स्थिति क्या है? ताकि वृक्षारोपण कार्यक्रम से वृहद स्तर पर बागवानी को तैयार किया जा सके। इसके लिए उपयोगी तथा लाभदाई वृक्षों के पौधे को अधिकाधिक लगाया जाए। मुख्य रूप से फल, औषधि, फूल तथा छायादार और धार्मिक महत्व के पौधों को रोपित किया जाए। जिससे पर्यावरण रक्षा के साथ–साथ जैव विविधता संरक्षण और किसानों की अर्थव्यवस्था का संवर्धन किया जा सकेगा। वर्चुअल बैठक के दौरान निदेशक उद्यान डॉ0 आर के तोमर, संयुक्त निदेशक विजय बहादुर द्विवेदी सहित मण्डल एवं जनपद के अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुडे रहे।

उच्च शिक्षा मंत्री ने की विभागीय समीक्षा'

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय तथा राज्य मंत्री रजनी तिवारी द्वारा सचिवालय के सभागार में वृक्षारोपण अभियान–2023, राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के कियान्वयन हेतु गठित टास्क फोर्स तथा विभागीय समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में डॉ0 मुकुल चतुर्वेदी तथा डॉ० अनुभाग शर्मा, उपाध्यक्ष, उ०प्र० राज्य उच्च शिक्षा परिषद् द्वारा भी प्रतिभाग किया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के टास्क फोर्स की बैठक में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), बेसिक शिक्षा विभाग श्री संदीप सिंह द्वारा भी प्रतिभाग किया गया तथा बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के सम्बन्ध में अपने विचार रखे गये। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री ने समस्त राज्य विश्वविद्यालय निजी विश्वविद्यालय के कुलसचिव, निदेशक, उच्च शिक्षा तथा टास्क फोर्स के सदस्यों के साथ विस्तृत चर्चा की। उन्होने कहा कि वृक्षारोपण अभियान–2023 के अन्तर्गत वन विभाग द्वारा वर्ष 2023–24 हेतु उच्च शिक्षा विभाग हेतु जनपदवार आवंटित कुल लक्ष्य 18.54 लाख पौधरोपण निर्धारित किया गया है। उन्होने निर्देश दिया कि 22 जुलाई 2023 को वृक्षारोपण कार्यक्रम को एक 'उत्सव' के रूप में

मनाते हुए निर्धारित लक्ष्य 18.54 लाख के सापेक्ष 10 से 20 प्रतिशत अधिक पौधरोपण किया जाय। पौधरोपण हेतु विश्वविद्यालय महाविद्यालय द्वारा किये जाने वाले अच्छे कार्यों के लिये पुरस्कृत किया जाय। पौधरोपण के साथ ही साथ नुक्कड़ नाटक, पेंटिंग प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता इत्यादि कार्यक्रम भी आयोजित किये जायें। बैठक में अवगत कराया गया कि पौधरोपण हेतु 17,01,710 गढ्ढे का खुदाई कार्य पूर्ण कर लिया गया है। वृक्षारोपण अभियान–2023 के अन्तर्गत उच्च शिक्षा विभाग के लिये 22 जुलाई 2023 एवं 15 अगस्त 2023 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 एवं उसके क्रियान्वयन हेतु गठित टास्क फोर्स में 18 एक्शनेबल बिन्दुओं की समीक्षा की गयी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को स्नातक स्तर पर वर्ष 2021 में लागू किया जा चुका है। प्रदेश में 766 संस्थानों महाविद्यालयों के नैक मूल्यांकन हेतु अनुमोदित सूची क्रिस्प संस्था को उपलब्ध ा करा दी गयी है। एन0आई0आर0एफ0 रैंकिंग हेतु कुल 100 संस्थानों को चयन करते हुए सहमति पत्र क्रिस्प संस्था को उपलब्ध करा दिया गया है। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री ने निर्देश दिया कि 163 शैक्षिक संस्थान, जिन्होंने 05 वर्ष पूर्व नैक मूल्यांकन की कार्यवाही की है, उसके उपरान्त नहीं करा रहे हैं, वे भी नैक मूल्यांकन की कार्यवाही प्रारम्भ करें, जो संस्थान नैक मूल्यांकन की कार्यवाही नही करेंगे, उनका उत्तरदायित्व निर्धारित किया जायेगा।

खबर एक नजर में

विभिन्न थाना क्षेत्रो से एक दर्जन वारंटी गिरफ्तार कर भेजे गए जेल

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के विभिन्न थाना क्षेत्रो की पुलिस टीम में लम्बे समय से पेशी पर नहीं पहुँच रहे न्यायालय द्वारा जारी गैरजमानती वारंट पर सोमवार को एक दर्जन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। जिसमे जनपद के बाजारखाला थाने से पांच वारंटी गिरफ्तार किये गए है इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र नगराम से दो वारंटी, पारा थाने से दो वारंटी एवं कृष्णा नगर पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र से तीन वारंटियो को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है ।

बुजुर्ग की जेब काट पच्चास हजार रूपये ले गए जेबकतरे , मुकदमा दर्ज

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। विकास नगर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह बैंक शाखा से पैसा निकाल रिक्शे द्वारा अपने घर जा रहे बुजुर्ग के साथ एक जेबकतरे ने मौके का फायदा उठा ब्लेड से जेब काट रुपये छीनकर फरार हो गया। इस घटना से अचम्भित बुजुर्ग ने स्थानीय पुलिस से शिकायत की है। पुलिस शिकायत पर लूट की धारा में मुकदमा कर लिया है। कुर्सी रोड गायत्री पुरम मकान सांख्य 655ए/4/57 निवासी बुजुर्ग गंगा राम के मुताबिक वह सोमवार सुबह करीब 11:30 बजे कपुरथला बैंक ऑफ इण्डिया शाखा से चेक द्वारा 50 हजार रूपये निकाल पैसे लेकर घर को जाने के लिए कपूरथला चौराहे से एक आटो रिक्सा में बैठ गए इसी दौरान अचानक एक अज्ञात व्यक्ति दौडकर आकर रिक्शे में बैठ गया कुछ दूर रिक्शा चलने के बाद मामा चौराहे पहुँचा वहां पर रिक्शा में बैठा अज्ञात व्यक्ति द्वारा मेरी जेब धारदार ब्लेड से काटकर 50 हजार रूपये छीनकर भाग गया। इस अचानक घटित हुई घटना से बुजुर्ग अचम्भित हो गए घटना की जानकारी पुलिस को दे विकास नगर थाने पर पहुँच पुलिस से शिकायत की है। पुलिस ने शिकायत पर अज्ञात लुटेरे के खिलाफ लूट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लुटेरे की तलाश में जुटी है।

व्यापारी की कार चढ़ने से मोची गंभीर रूप से घायल, मौत

खबर दृष्टिकोण आलमबाग। आशियाना थाना क्षेत्र के बंगलबाजार में फुटपाथ पर दुकान लगाने वाले मोची के ऊपर स्थानीय व्यापारी ने कार बैक करते समय अपने चपेट में ले लिया जिससे मोची गंभीर रूप से घायल हो गया आनन फानन में स्थानीय लोगो की मदद से घायल को लोकबंधु अस्पताल पहुँचाया गया जहाँ से ट्रामा में भेज दिया गया वहीं ट्रामा में उसकी मौत हो गई। मृतक संतोष 30 वर्ष आशियाना के सेक्टर एल स्थित मैरी गार्डन स्कूल वाली गली में अपने तीन भाइयों के साथ रहता था। वह बंगलबाजार में मोची का काम करता था। मिली जानकारी के मुताबिक रविवार देर रात स्थानीय व्यापारी अपनी कार मोड़ने के लिए कार बैक करने लगा तो उसने संतोष पर कार चढ़ा दी। जिसकी वजह से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों द्वारा तुरंत उसे लोकबंधु अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टरों ने हालत नाजुक देखते हुए उसे ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया। जहां देर रात इलाज के दौरान संतोष ने दम तोड़ दिया। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

चार मोबाइल व एक बाइक के साथ दो शातिर चोर गिरफ्तार,भेजा जेल

मोहनलालगंज। ट्रेनो में भीख मंगाने के बाद चढकर यात्रियों के मोबाइल फोन उड़ाने वाले दो शातिर चोरो को सोमवार को मोहनलालगंज पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया। शातिर चोरो के पास से पुलिस ने चार चोरी के मोबाइल फोन व एक बाइक बरामद की ।पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दोनो शातिर चोरो को न्यायालय में पेश किया,जहां से दोनो को जेल भेज दिया गया इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया पुछताछ में गिरफ्तार चोरो ने अपना नाम शाहरूप अली व सलमान निवासी सिसेंडी थाना मोहनलालगंज बताया ।दोनो ने पुछताछ में ट्रेनो में भीख मगांने के बहाने चढकर यात्रियों के मोबाइल फोन उड़ाने की घटनाओ को अजांम देने की बात कबूल की ।दोनो के पास से चोरी के चार मोबाइल फोन व एक बाइक बरामद की गयी।

प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण हेतु अनुदान सं–81में, 120करोड़ की धनराशि की स्वीकृति की गयी प्रदान

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण के अन्तर्गत भारत सरकार से प्राप्त केन्द्रांश की प्रथम किश्त के प्रथम अंश की धनराशि रूपये 11621. 10लाख के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2023–24 के आय–व्ययक में से उपलब्ध धनराशि रुपये 7200 लाख एवं उसके सापेक्ष मैचिंग राज्यांश की धनराशि रू०4800लाख , कुल धनराशि रुपये 12000 लाख (रुपये एक सौ बीस करोड़ मात्र) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गयी है । इस संबंध में आवश्यक शासनादेश उत्तर प्रदेश शासन ग्राम्य विकास विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है। जारी शासनादेश में निर्देश दिए गए हैं कि योजनान्तर्गत स्वीकृत की जा रही धनराशि स्टेट नोडल बैंक एकाउन्ट से पी०एफ०एम०एस० के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के खाते में अन्तरित की जायेगी ।यह भी निर्देश दिए गए हैं कि स्वीकृत की जा गयी धनराशि का आहरण व्यय अनुमोदित कार्य योजना एवं मदों में योजना हेतु निर्धारित गाईडलाइन्स एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि धनराशि के आहरण के सम्बन्ध में समय–समय पर निर्गत शासनादेशो एवं वित्तीय नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए और ग्राम्य विकास आयुक्त द्वारा सम्बंधित जनपदों की मांग व आवश्यकता का परीक्षण करते हुये धनराशि आवंटित की जायेगी। स्वीकृत धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष में सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिए गए हैं।

यूनाइटेड स्प्रिट्स, लिद्धरोजा शाहजहांपुर के श्रमिक संगठन ने उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को दिया मांग पत्र

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से आज श्रमिक संगठन संयुक्त मोर्चा, यूनाइटेड स्प्रिट्स लि० रोजा, शाहजहांपुर के प्रतिनिधि मण्डल ने मिलकर कारखाने के संचालन व नौकरी को लेकर महत्वपूर्ण विन्दुओं का ब्यौरा देते हुए कारखाने को पुनरू संचालित कराये जाने का अनुरोध पत्र दिया, जिस पर जिला अधिकारी शाहजहांपुर को निर्देश दिए कि वह संगठन व अन्य सभी सम्बंधित से वार्ता करके समस्या का सर्वमान्य हल निकालने की कार्यवाही करें। प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का हर सम्भव निदान सुनिश्चित किया जायेगा। मुरादाबाद से आये दलित एकता महासंघ के अध्यक्ष जसवन्त सिंह ने मुरादाबाद जिले ग्राम बीजना में श्मशान घाट के नवीनीकरण व अन्य अवस्थापना सुविधाएं मुहैया कराने का अनुरोध किया, जिसके लिए जिलाधिकारी मुरादाबाद को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

शॉपिंग के दौरान बचाने हैं पैसे तो फॉलो करें ये आसान टिप्स

शॉपिंग के दौरान अक्सर लोग अपने तय बजट से ज्यादा खर्च कर देते हैं, जो उनके बजट पर बुरा असर डालता है। इस स्थिति में उनके लिए महीने को मैनेज करना बड़ा टास्क बन जाता है। आपके साथ ऐसा न हो इसके लिए हम लाए हैं कुछ बेहद काम के टिप्स।

बनाएं लिस्ट

सबसे पहले तो इसकी लिस्ट बनाएं कि आपको क्या लेना है। लिस्ट का तरीका सिर्फ किराना लाने के लिए बल्कि कपड़ों आदि की शॉपिंग के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बस आपको अपने कपड़ों को एक बार अच्छे से देखना है और यह लिखना है कि आपके पास क्या नहीं है या किस तरह के कपड़ों की आपको सबसे ज्यादा जरूरत है। यह फिल्टर उन चीजों पर बिना मतलब के खर्चे से बचने में मदद करेगा।

कैरी करें सिर्फ कैश

लोग डिजिटल पैमेंट की ओर जा रहे हैं और हम कैश कैरी करें जी हां, अगर आपको अपने बजट में रहते हुए शॉपिंग करना है तो इससे अच्छा और कोई तरीका नहीं हो सकता। जब खर्च करने के लिए एक्सट्रा पैसे ही नहीं होंगे तो भला आप दूसरी चीजों पर खर्च ही कैसे कर सकेंगे और यही चीज आपको फालतू के खर्चों से बचा लेगी।

एक जगह न अटकें

चाहे कपड़े लेने हों या फिर किराना, किसी एक जगह न अटकें और दूसरी जगहों पर भी इन चीजों को देखे। उदाहरण के लिए कपड़ों पर एक जगह जो जींस आपको 4000 की मिल रही है, वैसी ही जींस दूसरी जगह डिस्काउंट के साथ मिल सकती है या फिर दूसरे ब्रैंड में कम कीमत पर खरीदी जा सकती है। इसी तरह मान लीजिए अगर एक ब्रैंड का लोशन 340 रुपये का मिल रहा है तो हो सकता है दूसरे ब्रैंड के लोशन पर इसी कीमत में एक के साथ एक फ्री मिल रहा है। इसलिए जितना हो सके पहले एक्सप्लोर जरूर करें।

बोरियत में कुछ भी करें लेकिन शॉपिंग नहीं

बोरियत होने पर गेम्स खेलें, मूवी देखें, कुकिंग करें.कुछ भी करें लेकिन शॉपिंग नहीं। सबसे खतरनाक होती है इमोशनल शॉपिंग जो सबसे ज्यादा बिना मतलब का खर्चा करवाती है। इस तरह की शॉपिंग का एक और नुकसान यह भी होता है कि इस दौरान ली गईं ज्यादातर चीजें ऐसी होती है जिनका आप कभी यूज भी नहीं करेंगे।

ऑनलाइन देखें ऑप्शन्स

आजकल ज्यादातर ब्रैंड्स की वेबसाइट्स भी होती हैं जहां से कपड़ों को ऑनलाइन ऑर्डर किया जा सकता है। इन वेबसाइट्स पर अच्छा खासा डिस्काउंट भी उपलब्ध होता है। ऐसे में आप चाहे तो स्टोर में कपड़ों को ट्राई कर सकती हैं और सही साइज मिल जाने पर उसे ऑनलाइन सर्च करें। अगर वहां ये सस्ते में मिल रहे हैं तो फिर वेबसाइट से ही इसे ऑर्डर करें।

शॉपिंग पार्टनर भी है अहम

हमें यकीन है आप में से कई लोगों ने कभी इस बात को सोचा भी नहीं होगा, लेकिन आपकी फिजूलखर्ची के लिए आपके साथ शॉपिंग पर गया शख्स भी जिम्मेदार हो सकता है। अगर वह आपको बार-बार नई चीज दिखाए और कहे कि आप इसे ले लें क्योंकि यह अच्छा लगेगा, या फिर डिस्काउंट के चक्कर में ज्यादा चीजें लेने की सलाह दे तो बेहतर है कि अगली बार आप उसके साथ न जाएं। शॉपिंग पर ऐसे शख्स के साथ जाएं जो आपको फिजूलखर्ची से रोके और आपको जो लेना है उसकी ओर ध्यान केंद्रित करवाए।

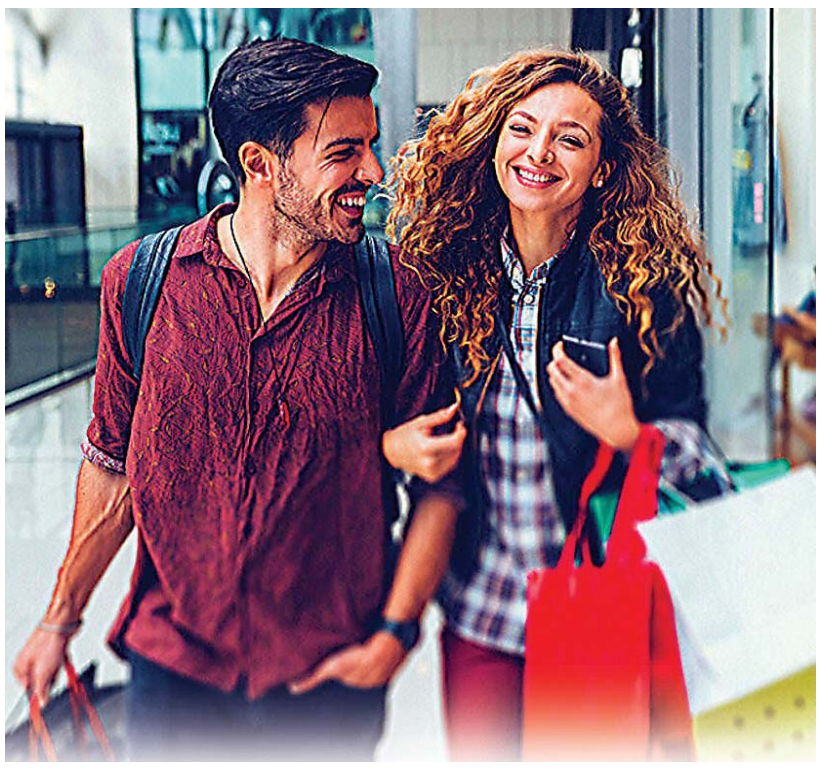

जा रहे हैं सब्जी लेने तो इन बातों का जरूर रखें ध्यान

सब्जी खरीदने की बात आती है तो ज्यादातर लोग बस दाम पर ही ध्यान देते हैं, लेकिन सिर्फ प्राइस कम हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि यह फायदे का सौदा है। बल्कि आपको इन्हें खरीदने के दौरान ऐसी कई चीजों का ध्यान रखना चाहिए जो सब्जी की मौजूदा क्वॉलिटी और वह कितनी जल्दी खराब हो जाएगी यह तय करते हैं।

सब्जी न हो कहीं से डैमेज

सब्जी जब लें तो उसे चारों ओर से पलटकर ध्यान से जरूर देखें। अगर उसमें जरा सा भी छेद या कट दिखाई देता है तो उसे न लें। ऐसी सब्जियों में कीड़े होने के चांस ज्यादा रहते हैं। वहीं अगर जो सब्जियां किसी हिस्से से दबी हुई हों खासतौर से टमाटर जैसी चीज तो इनके जल्दी खराब होने का डर रहता है।

हल्का सा दबाकर देखें

टमाटर हो, प्याज हो, आलू हो, गाजर हो या कोई अन्य सब्जी, उसे दबाकर जरूर देखें। हल्के से दबाव से ही पता चल जाता है कि कहीं वह सब्जी अंदर से खराब तो नहीं है। हालांकि, पत्तेदार सब्जियों पर यह तरीका काम नहीं करता है।

जब बात आए पत्तेदार सब्जियों की

पत्तेदार सब्जियों में इतने वैरायटी होती है कि सभी पर एक तरीका काम नहीं करता है। हालांकि, कुछ कॉमन बातें हैं जिनका इन्हें लेने के दौरान ध्यान रखना जरूरी है। ध्यान में रखें कि ऐसी पत्तेदार सब्जी न लें जो पानी में बहुत ज्यादा भीगी हो, इनके जल्दी खराब होने के डर रहता है। पालक, लाल भाजी जैसी सब्जियों को लेते वक्त एक-एक पत्ते को ध्यान से देख लें क्योंकि इनके बीच में कीड़े हो सकते हैं। पत्ते पीले या बड़े हों तो उन्हें न लें क्योंकि उनमें स्वाद कम होता है।

सूंघकर देखें

मार्केट में पैक्ड मशरूम, कॉर्न्स, स्प्राउट्स जैसी चीजें मिलती हैं। इन्हें जब लें तो पैकेट को नाक से थोड़ी दूर पर रखते हुए उन्हें सूंघें। अगर वे पुराने होंगे तो उनकी स्मेल बदल चुकी होगी। ऐसे पैकेट्स को न लें, नहीं तो बीमार हो सकते हैं।

उतना ही लें जितना इस्तेमाल हो जाए

कई ऐसी सब्जियां होती हैं जिन्हें सिर्फ उतना ही लेना चाहिए जितना आप इस्तेमाल कर पाएं। फ्रिज में भी ये सब्जियां ज्यादा दिन टिक नहीं पाती हैं। उदाहरण के लिए धनिया और टमाटर। ये दोनों ऐसी चीजें हैं जिन्हें आप ज्यादा ले तो लें लेकिन अगर ये सिर्फ फ्रिज में ही रखी हैं तो तीन-चार दिन में ही ये खराब होना शुरू कर देंगीं।

बेड के लिए परफेक्ट चादर खरीदने में काम आएंगी ये टिप्स

क्या आप मार्केट में नई बेडशीट लेने जाने के बारे में सोच रहे हैं अगर हां तो बेहतर होगा कि आप पहले नीचे दी गई जानकारी पढ़ें लें, ऐसा करने पर शायद आप ज्यादा बेहतर चादर का सिलेक्शन कर सकेंगे।

लोग आमतौर पर बेड के गद्दों को लेने से पहले पूरी जानकारी इकट्ठा कर लेते हैं लेकिन जब बात आती है चादर की तो वे इस मामले को हल्के में ले लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अच्छी नींद के लिए जितना जरूरी अच्छा गद्दा है उतनी ही जरूरी चादर भी है। आप अपने बेड के लिए कैसे सही चादर चुन सकते हैं इसमें नीचे दिए टिप्स आपके काफी काम आ सकते हैं। फैब्रिक का रखें ध्यानसबसे बड़ी और पहली बात होती है फैब्रिक का सही सिलेक्शन करना। यह इसलिए जरूरी होता है कि क्योंकि बेडशीट का कपड़ा आपके शरीर के संपर्क में आएगा इसलिए चादर का सिर्फ सुंदर होना नहीं बल्कि कंफर्टेबल होना भी जरूरी है। इस लिहाज से कॉटन की चादर बेस्ट फिट कही जा सकती है। कॉटन न सिर्फ स्किन के अगेंस्ट कंफर्टेबल रहता है बल्कि यह ब्रिदेबल फैब्रिक भी माना जाता है, जो नमी इकट्ठा नहीं करता।

साइज

बस यूं ही चादर लेने न निकल पड़ें। आपका बेड कितने साइज का है और आपको साइड में कितनी चादर छोड़नी है इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए बेडशीट सिलेक्ट करें। आमतौर पर अगर आप मार्केट से चादर लेते हैं तो पैकेट पर ही साइज लिखा होता है, जो आपके काम को आसान कर सकता है। हालांकि, अगर आप बिना पैकेट वाली चादर लेते हैं तो नाप का ध्यान जरूर रखें।

वाइट- कलरफुल चादर

वाइट कलर की खासियत होती है कि यह शांत करने में मदद करता है। यही इफेक्ट सफेद चादर भी क्रिएट करती है। यह ज्यादा रिलैक्सिंग फीलिंग के साथ ही मूड को शांत करने में मदद करती है। वहीं कलरफुल चादर रूम में चियरफुल फील क्रिएट करती है। बात करें स्ट्राइप चादर की तो यह रूम को व्यवस्थित दिखाने में मदद करती है।

रिटर्न पॉलिसी

जी हां, इस बात को भूलकर भी इग्नोर न करें। कई बार होता है कि चादर लेने के बाद एक ही वॉश में सारे कलर उड़ जाते हैं। अच्छी कंपनीज अपने ग्राहकों को ऐसी स्थिति में चादर रिटर्न करने का भी ऑप्शन देती है क्योंकि यह क्वॉलिटी में खरे न उतरने वाली बात है। ऐसे में अगर आप ऐसी कंपनी की चादर ले लें जिसमें ऐसी रिटर्न पॉलिसी न हो तब तो आपकी चादर बस एक ही बार बिछाई जा सकेगी।

2023 में इन सेलेब्स ने अपने ओटीटी डेब्यू से मचाया धमाल

ओटीटी प्लेटफार्मों की दुनिया लगातार बढ़ रही है, और 2023 में विभिन्न उद्योगों में लोकप्रिय अभिनेताओं की कुछ रोमांचक शुरुआत देखी गई है। इन डेब्यूज़ ने न केवल दर्शकों का ध्यान खींचा है बल्कि एक स्थायी प्रभाव भी छोड़ा है। इन प्रभावशाली ओटीटी डेब्यू ने न केवल इन प्रतिभाशाली अभिनेताओं के क्षितिज का बढ़ाया है, बल्कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कॉन्टेंट को भी समृद्ध किया है। जैसे–जैसे स्ट्रीमिंग की दुनिया विकसित हो रही है, इनकी परफॉर्मेंस दुनिया भर में असाधारण प्रतिभा दिखाने और दर्शकों को लुभाने में ह्रअ्र प्लेटफार्मों की शक्ति के प्रमाण के रूप में काम करते हैं। यहां 2023 की पहली छमाही में सबसे प्रभावशाली ओटीटी डेब्यू की सूची दी गई है–

शाहिद कपूर - फर्जी

फ़र्ज़ी में शाहद कपूर ने नकली पैसा बनाने वाले एक चालाक ठग सनी के रूप में शानदार प्रदर्शन किया। इस शो को उनके करियर की ऐतिहासिक प्रोजेक्ट्स में से एक माना जाता है। पहले से ही बड़े पर्दे पर एक बड़ा नाम है, फर्जी से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उनका पहला प्रोजेक्ट था।

भुवन बम - ताज़ा खबर

देश में सबसे ज़्यादा पसंद किए जाने वाले कॉन्टेंट क्रिएटर भुवन बाम ताज़ा खबर के ज़रिए ह्रअ्र दुनिया में कदम रखते हैं। जादुई कॉमेडी थ्रिलर सिरीज़ में भुवन के प्रदर्शन की सराहना की गई। ताज़ा खबर ह्रअ्र पर सबसे ज़्यादा देखे जाने वाले शो में से एक है। भुवन ने इस शो का सह–निर्माण भी किया।

सोनाक्षी सिन्हा – दहाड़

ज़ोया अख्तर और रीमा कागती की दहाड़ में सोनाक्षी सिन्हा एक महिला पुलिसकर्मी की भूमिका निभा रही हैं जो एक साइको किलर का पीछा कर रही है। सोनाक्षी के सशक्त अभिनय को आलोचकों से सराहना मिली, और जातिवाद और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे संवेदनशील विषयों को चुनने के लिए उनकी सराहना की गई।

आदित्य - द नाइट मैनेजर

दिलों की धड़कन आदित्य रॉय कपूर ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी दिलों पर राज कर रहे हैं। अभिनेता ने द नाइट मैनेजर के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रवेश किया। सिरीज़ में पूर्व नौसेना अधिकारी के जासूस बने किरदार में आदित्य बिल्कुल आकर्षक लग रहे थे।

विजय सेतुपति - फर्जी

भले ही उन्होंने राष्ट्रीय पुरस्कार सहित कई पुरस्कार जीते हों, विजय सेतुपति ने इस साल फ़र्ज़ी के साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डेब्यू किया। वह एक अथक पुलिसकर्मी की भूमिका निभा रहे हैं जो शाहिद के किरदार को नकली मुद्रा नोट बनाने से रोकने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस से शो का स्तर ऊंचा उठा दिया।

वेंकटेश - राणा नायडू

वेंकटेश को विक्ट्री वेंकटेश के नाम से भी जाना जाता है, जो मुख्य रूप से तेलुगु सिनेमा में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। लगभग तीन दशकों के करियर में, उन्होंने तेलुगु सिनेमा और कुछ हिंदी फिल्मों दोनों में काम किया है। उन्होंने अपने भतीजे राणा दग्गुबाती के साथ सिरीज़ राणा नायडू से प्रभावशाली शुरुआत की। यह शो राणा दग्गुबाती के किरदार के इर्द–गिर्द घूमता है जो अपने हाई–प्रोफाइल क्लाइंट्स की समस्याओं को ठीक करता है, जबकि वेंकटेश राणा, सुशांत सिंह और अभिषेक बनर्जी के पिता की भूमिका निभाते हैं और पहली बार स्क्रीन पर उनका एक बहुत अलग पक्ष सामने आता है।

अनिल कपूर द नाइट मैनेजर

स्टाइलिश, अनुभवी और बहुमुखी एक अभिनेता के रूप में आप कई तरीकों से अनिल कपूर का वर्णन कर सकते हैं। करीब पांच दशक के करियर में इस साल अनिल कपूर ने ओटीटी पर डेब्यू किया। 66 वर्षीय इस अभिनेता ने सिरीज़ में एक बुरे आदमी की भूमिका निभाई, जिसे उनके प्रदर्शन के लिए पसंद किया गया जा रहा है।

कुदुमुला की अगली फिल्म में श्रीलीला ने रश्मिका को किया रिप्लेस

साउथ सिनेमा में इस वक्त स्टारडम का पावर गेम देखना काफी दिलचस्प है। जहां इंडस्ट्री से अद्भुत फिल्में आ रही हैं, वहीं इंडस्ट्री में स्टार का स्तर अपने पीक पर है। और उस लीग में अभिनेत्री श्रीलीला भी शामिल होती दिख रही हैं, जो कई निर्देशकों की नई पसंदीदा बनकर उभर रही हैं।

पूजा हेगड़े को टेकओवर करने के बाद, श्रीलीला अब सभी का दिल जीत रही हैं और रश्मिका मंदाना की जगह लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रीलीला वेंकी कुदुमुला की अगली फिल्म में रश्मिका मंदाना को रिप्लेस किया है। रश्मिका को रिप्लेस करने से पहले, श्रीलीला ने गुंटूर करम में पूजा हेगड़े को भी रिप्लेस कर चुकी हैं। पूजा, जो त्रिविक्रम के साथ बहुत मजबूत बॉन्ड साझा करती थीं, उन्होंने प्रशंसकों को तब चौंका दिया जब उन्होंने उनकी फिल्म छोड़ दी। हालाँकि, पूजा की जगह लेने के लिए श्रीलीला सही विकल्प बन गईं। वेंकी और रश्मिका के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ है। वेंकी जो रश्मिका को अपना लकी चार्म मानते हैं, उनका ध्यान श्रीलीला की ओर जाता दिख रहा है। रिपोर्ट्स की माने तो ऐसा कहा जा रहा है कि श्रीलीला, रश्मिका की जगह ले सकती हैं। खैर, कई शानदार प्रदर्शनों के बाद, वह वास्तव में स्टारडम के लिए अपना मार्ग प्रशस्त कर रही है। यह अभिनेत्री दक्षिण में एक सितारे की तरह उभर रही है। खैर, अगर वेंकी ने अपनी लकी चार्म रश्मिका को उसके साथ बदलने का फैसला किया, तो हम केवल कल्पना कर सकते हैं कि वह श्रीलीला से कितना प्रभावित हुए होंगे। ऐसा कहने के बाद, श्री इंडस्ट्री की पसंदीदा बनती जा रही हैं क्योंकि इस समय उनकी झोली में सात फिल्में हैं। 2023–2024 के बीच, श्रीलीला आदिकेशव, स्कंद, भगवंत केसरी, नितिन 32, गुंटूर करम, वीडी12 और उस्ताद भगत सिंह में अभिनय करेंगी।

जवान में शाहरुख और नयनतारा का होगा ये खास सीन!

एक्ट्रेस के पति ने दिया बड़ा स्पॉइलर

शाहरुख खान की फिल्म जवान का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म का प्रीव्यू रिलीज हुआ है जिसे फैंस दिल खोलकर प्यार दे रहे हैं। इसमें दर्शकों को किंग खान का एकदम अलग अंदाज देखने को मिला। इस फिल्म में उनके साथ साउथ सुपरस्टार नयनतारा भी नजर आने वाले हैं। इस बीच नयनतारा के पति और डायरेक्टर विग्नेश शिवन ने फिल्म से जुड़ा एक बड़ा स्पॉइलर दे दिया है।

विग्नेश ने किया शाहरुख खान का शुक्रिया

दरअसल, विग्नेश शिवन ने जवान के प्रीव्यू को देख कर फिल्म की टीम को बधाई दी थी। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा– आप एटली पर गर्व कैसे नहीं कर सकते, जब वो इतनी जबरदस्त फिल्म के साथ अपना बॉलीवुड डेब्यू कर रहे हैं। एकदम इंटरनेशनल लग रही है। बहुत एफर्ट, धैर्य और मेहनत लगी है। आपको मेरी तरफ से एक बड़ी हग। बधाई हो नयनतारा, तुम हॉट लग रही हो। ये तुम्हारा किंग खान के साथ ड्रीम डेब्यू है। विग्नेश का जवाब देते हुए शाहरुख ने लिखा– विग्नेश शिवन आपके प्यार के लिए शुक्रिया। नयनतारा कमाल हैं। लेकिन मैं भी किसे ही बता रहा हूं...आप तो पहले से ये बात जानते हैं। लेकिन पति, सावधान हो जाओ। उन्होंने अब कुछ मेजर किक और पंच लगाना सीख लिया है।

विग्नेश ने ट्वीट में दिया जवान का स्पॉइलर

अब शाहरुख के इस ट्वीट का विग्नेश ने जवाब देते हुए फिल्म का एक स्पॉइलर दे दिया है जो वायरल हो गया है। विग्नेस ने ट्वीट कर लिखा– आप बहुत दयालु हैं सर...हां सर मैं बहुत ध्यान रख रहा हूं। लेकिन मैंने ये भी सुना है कि आप दोनों के बीच काफी अच्छा रोमांस भी देखने को मिलने वाला है। उन्होंने रोमांस के किंग से ये सब सीखा है। तो मैं आपके साथ उनके ड्रीम डेब्यू को अभी से सराह रहा हूं। जवाब बड़ी ग्लोबल ब्लॉकबस्टर होने वाली है।

जेनेलिया पहली एक्ट्रेस हैं, जिनसे मैंने ट्रायल पीरियड के लिए संपर्क किया : अलेया सेन

ट्रायल पीरियड की निर्देशक अलेया सेन ने फिल्म के बारे में बात की है और बताया है कि उन्होंने प्रोजेक्ट के लिए एक्ट्रेस जेनेलिया देशमुख और अन्य कलाकारों को क्यों चुना। उन्होंने कहा, ट्रायल पीरियड के लिए मेरे दिल में एक खास जगह है। एक फिल्म निर्माता के रूप में मानवीय रिश्तों के बारे में विचार करना मुझे पसंद है। फादर ऑन रेंट का विचार एक बच्चे के पर्सपेक्टिव से उत्पन्न हुआ, जो अनएक्सपेक्टेड डिमांड करता है। यह फिल्म आज के समाज में परिवारों की जटिलताओं पर एक अजीब कहानी है। क्रोम पिक्चर्स अपनी अपकमिंग फिल्म ट्रायल पीरियड के साथ अपरंपरागत पारिवारिक बंधन की एक प्यारी कहानी दिखाती है, जिसका प्रीमियर 21 जुलाई को होगा। अलेया सेन द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म में मुख्य भूमिका में जेनेलिया देशमुख, मानव कौल और शक्ति कपूर, शीबा चड्ढा, गजराज राव और जिदान ब्रेज जैसे बेहतरीन कलाकार हैं। ट्रायल पीरियड एक इमोशनल रोलरकोस्टर को दर्शाता है, यह आधुनिक अधूरे परिवारों के प्यार और जटिलताओं को उजागर करता है। सेन ने कहा, जेनेलिया पहली एक्ट्रेस हैं, जिनसे मैंने संपर्क किया और जेनेलिया और मानव दोनों के मामले में मैं भाग्यशाली रही। मैं टैलेंटेड कलाकारों के साथ काम करने के लिए उत्साहित थी, जिसमें गजराज राव, शक्ति कपूर, शीबा चड्ढा और जिदान जैसे कलाकार शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं उम्मीद कर रही हूं कि यह फिल्म दर्शकों के बीच बहुत सारी भावनाएं पैदा करेगी और पारंपरिक भारतीय परिवार की कहानी को बदल देगी। हम क्रोम पिक्चर्स में दर्शकों का जियोसिनेमा पर अपने प्रियजनों के साथ इस पारिवारिक मनोरंजक फिल्म का आनंद लेने के लिए तहे दिल से स्वागत करते हैं।

'भाबीजी घर पर हैं' की गोरी मेम बनीं मां

'भाबीजी घर पर हैं' की 'अनीता भाभी' यानी गोरी मेम मां बन गई हैं। जी हां, टीवी एक्ट्रेस विदिशा श्रीवास्तव ने बेटी को जन्म दिया है। आइए बताते हैं एक्ट्रेस ने सावन में जन्मीं बेटी का नाम क्या रखा है। 'भाबीजी घर पर हैं' की 'अनीता भाभी' मां बन गई हैं। जी हां, टीवी एक्ट्रेस विदिशा श्रीवास्तव के घर किलकारियां गूंज उठी हैं। उन्होंने क्यूट सी गुड़िया को जन्म दिया है। 11 जुलाई 2023 को एक्ट्रेस की कोख से बेटी ने जन्म लिया। विदिशा श्रीवास्तव के घर नन्ही परी का जन्म हुआ है। इस मौके पर उन्होंने कहा, ' मुझे 18 घंटे का लेबर पेन हुआ। मैं दर्द से लगातार कहरा रही थी। मेरी नॉर्मल डिलीवरी हुई है। लेकिन जैसे ही मैंने अपनी बेटी को देखा मेरा सारा दर्द गायब हो गया। बेटी को अपनी नजरों के सामने देखना और महसूस करना किसी जादुई पल से कम नहीं था। आगे उन्होंने बताया, 'हमने बेटी के लिए नाम भी सोच लिया है। हम अपनी बेटी का नाम मां दुर्गा के नाम पर रख रहे हैं आदया। आदया का मतलब होता है, शक्ति और इसका दूसरा अर्थ भगवान शिव से भी जुड़ा हुआ है। विदिशा श्रीवास्तव का कहना है कि वह फिलहाल बेटी के साथ समय बिताना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि मैं अगले एक डेढ़ महीने घर पर ही बेटी के साथ हूं। फिर देखती हूं जैसा भी होगा मैं काम शुरू करूंगी। मुझे लगता है कि मैं काम रेगुलरी शुरू नहीं कर पाऊंगी। लेकिन जब भी जरूरत होगी मैं सेट पर पहुंच जाऊंगी।

1920 हॉरर्स ऑफ हार्ट ने कमा डाले इतने करोड़

1920 हॉरर्स ऑफ हार्ट 23 जून को सभी सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को हिंदी के अलावा तमिल और तेलुगू भाषा में भी रिलीज किया गया है। फिल्म को लेकर लोगों की तरफ से मिलेजुले रिस्पॉन्स आए हैं। तो चलिए देखते हैं कि फिल्म ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई की है.....फिल्म ने हिंदी बेल्ट में पहले हफ्ते 8.73 करोड़ की कमाई की है, तो वहीं दूसरे हफ्ते में कलेक्शन में थोड़ा गिरावट आया और 2.91 करोड़ और तीसरे हफ्ते 1.38 करोड़ का बिजनेस किया है। वहीं तमिल भाषा में पहले वीक 3.82 करोड़ रुपये और दूसरे हफ्ते 59 लाख और तीसरे वीक 30 लाख रुपये की कमाई हुई। कुल मिलाकर फिल्म ने अब तक 17.73 करोड़ का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया है। बता दें कि फिल्म की कहानी महेश भट्ट ने लिखी है, जिसमें अविका गौर लीड रोल में नजर आई हैं। तो वहीं विक्रम भट्ट की बेटी कृष्णा भट्ट ने इसे डायरेक्ट किया है।

चंद्रयान 3 के लॉन्च पर राखी सावंत की मोदी जी से गुजारिश

राखी सावंत अपने अंदाज में जब भी बात करती हैं तो छा जाती हैं। देश में 14 जुलाई का दिन गौरव से भरा रहा क्योंकि इस दिन चंद्रयान 3 लॉन्च किया गया। इस मौके पर राखी सावंत ने देश और मोदीजी से कई सारी बातें कही हैं। आइए बताते हैं। कंट्रोवर्सी क्वीन ने चंद्रयान 3 पर अपनी खुशी जताई और यह भी शेयर किया कि वह रॉकेट के साथ खुद को भी लॉन्च करने की सोच रही थीं.राखी सावंत अपने चुलबुले अंदाज और मस्ती के कारण हमेशा ही सुर्खियों में बनी रहती हैं। उनका ये अंदाज लोगों को पसंद भी आता है और वहीं कुछ को नाराज भी कर देता है। राखी लगभग हर मुद्दे पर अपनी राय रखती हैं और छा जाती हैं। 14 जुलाई को देश में चंद्रयान 3 लॉन्च किया गया और इस ऐतिहासिक पल का साक्षी पूरा देश बना। इस बारे में राखी सावंत ने भी अपने विचार रखे और कुछ ऐसा कह दिया जो सुनकर आप सिर पकड़ लेंगे। उन्होंने मोदीजी के लिए भी बहुत कुछ बोला। लोगों से बातचीत के दौरान चंद्रयान 3 के बारे में बात की। कंट्रोवर्सी क्वीन ने चंद्रयान 3 पर अपनी खुशी जताई और यह भी शेयर किया कि वह रॉकेट के साथ खुद को भी लॉन्च करने की सोच रही थीं।

मोदीजी से राखी सावंत की गुजारिश

उन्होंने आगे कहा, मैं आज अपनी साड़ी में चांद की चांदनी बनी हूं, देखिए मैंने आज चंद्रयान के साथ खुद को कैसे लॉन्च किया। मैं आज वैज्ञानिकों को इस बड़ी सफलता के लिए बधाई देना चाहती हूं। मैं भी एक वैज्ञानिक हूं। क्या तुमने देखा कि मैंने खुद को कैसे लॉन्च किया? राखी यह जानकर हैरान रह गईं कि मोदीजी पेरिस में हैं और वो बोलीं, क्या, वह पेरिस में हैं? फिर वह रॉकेट कैसे देखेंगे? क्या उनके पास पेरिस से चंद्रयान 3 को देखने के लिए दूरबीन है? मैं उनसे बस इतना कहना चाहती हूं कि मुंबई में सड़कों की मरम्मत कराना बेहतर होगा।

नोएडा में चारदीवारी गिरने से एक बच्चा समेत चार दबे, बच्चे की मौत, अन्य की हालत नाजुक

नोएडा। तेज बरसात कई लोगों के लिए मुसीबत का सबब बनी हुई है। इस बरसात के चलते कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। नोएडा के सेक्टर 63 में स्थित ग्राम वाजिदपुर में मार्केट की जर्जर चारदीवारी अचानक गिर जाने से गली से गुजर रहे तीन व्यक्ति व एक बच्चा मलबे में दब जाने के कारण घायल हो गए। चारों को फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर ने छह वर्षीय बच्चे को मृत घोषित कर दिया है, जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल है। घटना के बाद आसपास बैरिकेडिंग कर दी गई है। देर रात तक राहत और बचाव कार्य जारी था। नोएडा सेंट्रल के डीसीपी अनिल कुमार यादव ने बताया कि नोएडा के सेक्टर 63 में स्थित वाजिदपुर गांव में रामवीर यादव के मकान में बने मार्केट परिसर में 6 दुकानें हैं। इन दुकानों के बगल से होकर एक गली गुजरती है। गली के साथ बनी मार्केट परिसर की चहारदीवारी काफी पुरानी और जर्जर थी। रविवार देर शाम गिर गई। जिस समय यह हादसा हुआ उस समय चार लोग गली से गुजर रहे थे। जो चहारदीवारी के नीचे दब गए। पुलिस और स्थानीय लोगों ने उन्हें निकाल कर फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया। जहां 6 वर्षीय आमिर को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया जबकि रविंद्र, सुरेश और मुकेश की हालत नाजुक बनी हुई है। हादसे के बाद से देर रात तक राहत और बचाव कार्य जारी रहा, घटनास्थल के आसपास बैरिकेडिंग कर दी गई है।

दिल्ली में नशे की लत के कारण इलेक्ट्रिक इंजीनियर बना चोर, गिरफ्तार

नई दिल्ली। नशे की लत को पूरी करने के लिए एक इलेक्ट्रिक इंजीनियर चोर बन गया। दिल्ली पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। द्वारका के डीसीपी एम. हर्षवर्धन ने बताया कि आरोपी की पहचान कंकड़बाग गांव निवासी सैमी उर्फ अभिषेक (27) के रूप में हुई है। बेटी को सबकी नज़रों से बचाने के लिए आलिया और रणबीर क्या कर रहे हैं और जानेंअधिकारी ने कहा कि 11 जुलाई को उत्तम नगर में चोरी की एक घटना सामने आई थी, इसमें शिकायतकर्ता ने कहा था कि उसका एप्पल मोबाइल फोन, डेल लैपटॉप, ईयरबड और एक बैग उसके घर से चोरी हो गया।

यमुना पुल के रखरखाव में दिल्ली सरकार की कोई भूमिका नहीं है- अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को मोरीगेट स्थित एक स्कूल में लगाए गए राहत शिविर का जायजा लेने के पत्रकार वार्ता कर हरियाणा के उस आरोप का खंड़न किया है, जिसमें कहा जा रहा है कि दिल्ली सरकार ने यमुना पुल के रखरखाव का पैसा नहीं दिया है। इस संबंध में केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने इस बारे में पता किया है। यमुना के पुल के रखरखाव का पैसा दिल्ली सरकार नहीं देती है, बल्कि एनटीपीसी देती है। एनटीपीसी भी केंद्र सरकार के अधीन आती है। इसलिए इस बारे में एनटीपीसी ही सही बता सकती है। यमुना पुल के रखरखाव में दिल्ली सरकार की कोई भूमिका नहीं है। हरियाणा सरकार गलत बोल रही है कि दिल्ली सरकार ने पैसा नहीं है। जब से आईटीओ बैराज के पांच गेट नहीं खुलने का मुद्दा उठा है और मीडिया की सुर्खियों में आया है, तब से वे लोग कोई न कोई बहाना ढूंढ रहे हैं। लेकिन यह समय आपस में दोषारोपण का नहीं है।

बाढ़ से बेहाल दिल्ली के लिए बुरी खबर, फिर लगातार बढ़ रहा यमुना का जलस्तर; बारिश से बढ़ेगा संकट

नई दिल्ली। बाढ़ से बेहाल दिल्ली को राहत मिलती नहीं दिख रही है। कई दिनों बाद खतरे के निशान से नीचे गई यमुना का जलस्तर एक बार फिर बढ़ने लगा है। पिछले कुछ घंटो से लगातार पानी बढ़ रहा है और खतरे के निशान से पार है।

बाढ़ से बेहाल दिल्ली के लिए बुरी खबर, फिर लगातार बढ़ रहा यमुना का जलस्तर; बारिश से बढ़ेगा संकट

बाढ़ से बेहाल दिल्ली को राहत मिलती नहीं दिख रही है। कई दिनों बाद खतरे के निशान से नीचे जाती दिख रही यमुना का जलस्तर एक बार फिर बढ़ने लगा है। सोमवार सुबह एक बार फिर नदी में पानी पढ़ने लगा और लगातार कई घंटों तक वृद्धि दर्ज की गई। सुबह 10 बजे यमुना का जलस्तर बढ़कर 205.70 हो गया। सुबह 9 बजे जलस्तर 205.58 मीटर दर्ज किया गया, जबकि 8 बजे 205.50 मीटर था।यमुना के जलस्तर ने पिछले सप्ताह 207.49 मीटर के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया था और यह 12 जुलाई को 208 मीटर के स्तर को पार कर गया था। जलस्तर अब भी खतरे के निशान 205.33 मीटर से ऊपर है। दूसरी तरफ हिमाचल से दिल्ली तक एक बार फिर भारी बारिश की भविष्यवाणी ने भी खतरे को बढ़ा दिया है। पहाड़ों पर अधिक बारिश के बाद एक बार फिर हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़ा जा सकता है।इससे पहले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जलस्तर में कमी शुरू हो गई है और लोग जल्द ही राहत शिविरों से अपने घर लौट सकेंगे। उन्होंने ट्वीट किया, 'पानी नीचे जाने लगा है। अब लोग राहत शिविरों से अपने घर वापस जा सकेंगे। हमें उनकी जिंदगी सामान्य करने में उनकी मदद करनी है। मेरी सबसे अपील है कि तन, मन, धन से लोगों की मदद करें। यह पुण्य का काम है।'

दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने लाल किले के पीछे की सड़क साफ कर दी है, जिसमें पानी भर गया था और यह जल्द ही यात्रियों के लिए खोल दी जाएगी। केजरीवाल ने राहत और बचाव प्रयासों में सहयोग के लिए पीडब्ल्यूडी, दिल्ली जल बोर्ड, थल सेना, नौसेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग तथा अन्य सभी अधिकारियों का आभार भी जताया।

ट्रक ने मारी पेड़ को टक्कर, कारों पर जाकर गिरा वृक्ष...बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई 5 गाड़ियां

नई दिल्ली: लापरवाही और तेज रफ्तार का खामियाजा एक या दो नहीं बल्कि 5 गाड़ियों को भी भुगतना पड़ा। दरअसल वेस्ट दिल्ली के मायापुरी थाने इलाके के जनकपुरी में एक ट्रक ने बड़े नीम के पेड़ को टक्कर मार दी। जिसके बाद यह बड़ा पेड़ 5 गाड़ियों पर जा गिरा जिससे सभी गाड़ियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।

जानकारी के अनुसार देर रात सड़क किनारे नीम के पेड़ के नीचे लोगों ने अपनी गाड़ियां खड़ी कर रखी थीं। तभी एक तेज रफ्तार टक्कर ने पेड़ को टक्कर मार दी है। पेड़ टूटकर कारों पर गिर पड़ा। पेड़ की चपेट में आने से 1 स्कॉर्पियो, 2 स्विफ्ट डिजायर, 1 एक्सेंट कार और एक वैगनआर कार आ गई। वहीं पीड़ित कार के मालिक अब ट्रक वाले से क्लेम की मांग कर रहे हैं। फिलहाल मायापुरी थाना पुलिस इस मामले में जांच कर रही है।

अभी घर वापस ना जाएं; यमुना में पानी बढ़ने पर दिल्ली सरकार, बताया कहां तक जाएगा जलस्तर

नई दिल्ली। कई दिनों तक दिल्ली के अहम इलाकों को डुबोए रखने के बाद यमुना में सोमवार को एक बार फिर पानी बढ़ गया। जलस्तर बढ़ने के बाद दिल्ली सरकार ने राहत कैंपों में रह रहे लोगों से गुजारिश की है कि अभी घर ना लौटें। अभी घर वापस ना जाएं; यमुना में पानी बढ़ने पर दिल्ली सरकार, बताया कहां तक जाएगा जलस्तर कई दिनों तक दिल्ली के अहम इलाकों को डुबोए रखने के बाद यमुना में सोमवार को एक बार फिर पानी बढ़ गया। जलस्तर बढ़ने के बाद दिल्ली सरकार ने राहत कैंपों में रह रहे लोगों से गुजारिश की है कि अभी घर ना लौटें। हालांकि, यह भी कहा गया है कि जलस्तर में कम ही इजाफा हुआ है और दिल्लीवालों को खतरा नहीं है। दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने ट्वीट करके कहा कि जलस्तर खतरे के निशान से नीचे जाने के बाद ही लोग घरों को लौटें।

मंत्री ने सोमवार को ट्वीट किया, 'हरियाणा में कुछ इलाक़ों में कल भारी बारिश की वजह से आज यमुना का जल स्तर थोड़ा बढ़ रहा है। केंद्रीय जल आयोग का अनुमान है कि रात तक 206.1 मीटर तक पहुंच सकता है। दिल्लीवालों के लिए इस से खतरा नहीं है। परंतु राहत कैंपों में रह रहे सभी लोगों से अनुरोध है कि वे अभी अपने घर वापस ना जाएं। जल स्तर खतरे के निशान से नीचे आने के बाद ही अपने घरों में वापस जाएं।' दिल्ली पिछले सप्ताह से ही यमुना में आई बाढ़ से त्रस्त है। निचले इलाकों में रहने वाले हजारों लोगों को अपने घरों को छोड़कर राहत कैंपों में शरण लेनी पड़ी है। बाढ़ का पानी कश्मीरी गेट, आईटीओ, लाल किला, सिविल लाइन्स जैसे इलाकों तक घुस आया था।

पिछले दो दिनों में जलस्तर में लगातार गिरावट आ रही थी। लेकिन सोमवार सुबह एक बार फिर इजाफा होने लगा। सुबह 10 बजे जलस्तर 205.70 तक पहुंच गया। यमुना के जलस्तर ने पिछले सप्ताह 207.49 मीटर के पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया था और यह 12 जुलाई को 208 मीटर के स्तर को पार कर गया था। जलस्तर अब भी खतरे के निशान 205.33 मीटर से ऊपर है।

इससे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जलस्तर में कमी शुरू हो गई है और लोग जल्द ही राहत शिविरों से अपने घर लौट सकेंगे। उन्होंने ट्वीट किया, 'पानी नीचे जाने लगा है। अब लोग राहत शिविरों से अपने घर वापस जा सकेंगे। हमें उनकी जिंदगी सामान्य करने में उनकी मदद करनी है। मेरी सबसे अपील है कि तन, मन, धन से लोगों की मदद करें। यह पुण्य का काम है।'

हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस से अदालतों में सुरक्षा कड़ी करने पर नई स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा

नई दिल्ली: दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को शहर पुलिस से यहां की अदालतों में सुरक्षा कड़ी करने के मुद्दे पर ताजा स्थिति रिपोर्ट पेश करने को कहा। मामले की अध्यक्षता करते हुए, मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा की अगुवाई वाली पीठ ने स्पष्ट किया कि ताजा स्थिति रिपोर्ट सभी हितधारकों द्वारा हाल ही में आयोजित एक संयुक्त बैठक के अनुसार सुझाई गई और लागू की गई सिफारिशों और कदमों पर आधारित होनी चाहिए।

अप्रैल में, उच्च न्यायालय ने दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और बार एसोसिएशनों से यहां की अदालतों में सुरक्षा मजबूत करने के उपाय सुझाने को कहा था।

पीठ निचली अदालतों में कड़ी सुरक्षा के उपाय और 2021 में रोहिणी कोर्ट में इसी तरह की घटना के बाद शुरू किए गए स्वत- संज्ञान मामले की मांग करने वाली कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। दिल्ली की अदालतों में गोलीबारी की श्रृंखला में, 5 जुलाई को तीस हजारी अदालत परिसर में हुई एक हालिया घटना ने अदालत जाने वालों में डर पैदा कर दिया है।

अप्रैल में एक निलंबित वकील ने साकेत कोर्ट के अंदर एक महिला को गोली मार दी थी. सोमवार को सुनवाई के दौरान, पीठ में न्यायमूर्ति संजीव नरूला भी शामिल थे, जिन्होंने दिल्ली पुलिस की स्थिति रिपोर्ट पर ध्यान दिया, इसमें कहा गया था कि 6 मई को बार काउंसिल ऑफ दिल्ली के सदस्यों, सभी अदालतों के बार एसोसिएशनों, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई थी। सुरक्षा इकाई एवं जिला यातायात इकाई से। अदालत ने कहा कि बैठक में कुछ निर्णय लिए गए और दिल्ली उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष को उच्च न्यायालय में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए किए जाने वाले उपायों के बारे में सूचित किया गया।

स्थिति रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि अदालतों में सुरक्षा के मामले में अदालत द्वारा जारी निर्देशों के कार्यान्वयन के संबंध में सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा करने के लिए भवन रखरखाव समिति, संबंधित अदालतों की सुरक्षा सेल और अन्य हितधारकों के साथ नियमित बैठकें की जा रही हैं।

अदालत ने अब मामले की अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को तय की है। पिछले साल सितंबर में, अदालत ने अपने प्रशासनिक पक्ष से जुलाई 2019 में दायर एक जनहित याचिका पर ताजा स्थिति रिपोर्ट मांगी थी।

वकील कुंवर गंगेश सिंह ने जनहित याचिका दायर कर शहर भर की विभिन्न जिला अदालतों की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने के निर्देश देने की मांग की थी। अदालत ने तब दिसंबर 2021 में अदालत परिसरों की सुरक्षा और इसकी सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा और सुधार से संबंधित निर्देश जारी किए थे।

54 एमजीडी पानी का उत्पादन कर रहा है वजीराबाद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि वजीराबाद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट ने 54 एमजीडी पानी का उत्पादन शुरू कर दिया है। केजरीवाल ने ट्वीट किया, वजीराबाद वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता 134 एमजीडी है। इसने 54 एमजीडी का उत्पादन शुरू कर दिया है। इसी प्लांट में उपकरणों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। उम्मीद है कि यह जल्द ही पूरी क्षमता से काम करना शुरू कर देगा। इंजीनियर चौबीस घंटे सातों दिन काम कर रहे हैं। यमुना नदी में बढ़ते जल स्तर के कारण वजीराबाद, चंद्रावल और ओखला में जल उपचार संयंत्र अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए थे, जिससे कुछ क्षेत्रों में पानी की कमी हो गई है।

भारी बारिश और यमुना का जलस्तर बढ़ने के कारण टूटा हुआ दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) का रेगुलेटर ठीक कर दिया गया है। राष्ट्रीय राजधानी के कुछ इलाके सोमवार को भी जलमग्न रहे। लाल किले के पीछे लगभग 10-12 फीट गहरा पानी था और आईटीओ, आईएसबीटी, राजघाट और शांति वन जैसे आसपास के इलाकों में भी पानी भर गया था।

सबसे बड़े श्मशान घाट निगम बोध घाट के पास पानी आठ फीट गहरा था। जो फिलहाल बंद है।

ग्रेटर नोएडा में दबंगों ने ढाबा संचालक को पीटा, सीसीटीवी कैमरे में मारपीट कैद

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-3 थाने से चंद कदमों की दूरी पर स्थित ढाबे में दो दबंगों ने ढाबे के काउंटर पर रखा हुआ सामान फेंक दिया और विरोध करने पर ढाबा संचालक और उसके कर्मचारियों पिटाई कर दी। दबंगों द्वारा की गई मारपीट की घटना ढाबे पर लगे हुए सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई। फिलहाल पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। दबंगों की ढाबे में किये गये उत्पात और ढाबा संचालक को पीटने वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना रविवार रात की है।

हबीबपुर गांव में देवीलाल एक ढाबा चलाता है, ढाबे पर दो युवक आए इन लोगों का देवीलाल के साथ विवाद हो गया। बताया जा रहा है के दोनों लोग ढाबे पर शराब पीने की बात कर रहे थे, जिसका देवीलाल ने विरोध कर दिया और ढाबे पर शराब पीने से उन्हें मना कर दिया। दोनों दबंग इतना गुस्सा हो गए कि एक युवक ने ढाबे के काउंटर पर रखा हुआ सामान फेंकना शुरू कर दिया और उसके बाद उन दोनों लोगों ने ढाबा संचालक के साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। दोनों दबंग मारपीट करने के बाद मौके से फरार हो गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मारपीट में घायल हुए देवीलाल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है। ईकोटेक-3 थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि देवीलाल के ढाबे पर दबंगों द्वारा मारपीट का वीडियो सामने आया है। मारपीट करने वाले एक दबंग की पहचान बबली और उसके साथी के रूप में हुई है। पीड़ित की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

3 दिन होटल में रहे फिर बुकिंग साइट के खिलाफ धोखाधड़ी का आरोप, दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज की याचिका

दिल्ली। HC ने MakeMyTrip के खिलाफ दायर कथित धोखाधड़ी के मामले में स्नढ्ढक्र की मांग वाली याचिका को रद्द कर दिया है। याचिकाकर्ता ने होटल में ज्यादा पैसे और दिखाई गई सुविधाएं न मिलने का आरोप लगाया है। 3 दिन होटल में रहे फिर बुकिंग साइट के खिलाफ धोखाधड़ी का आरोप, दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज की याचिका

दिल्ली हाई कोर्ट ने कथित तौर पर धोखाधड़ी के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी है। याचिकाकर्ता ने मोबाइल ऐप मेकमाईट्रिप इंडिया लिमिटेड, उसके निदेशकों और एक प्राइवेट होमस्टे एंड किचन नैनीताल (उत्तराखंड) के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। शिकायतकर्ता वकील के अनुसार, उनसे प्रति दिन 7950 रुपये का शुल्क लिया गया था। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि अन्य लोगों से उन्हीं सुविधाओं के लिए 2 हजार से 3 रुपये ही लिए गए थे। वकील ने कोर्ट में कहा कि टॉप होटलों की कीमत भी 2 से 3 रुपये है, लेकिन स्टोर रूम की तरह दिखने वाले जर्जर कमरे के लिए उनसे प्रति दिन 8000 रुपये वसूले गए। वकील ने आरोप लगाया कि होटल ने पैसे वापस नहीं किये न ही बुकिंग के समय दिखाए गए अनुसार कमरा दिया और उनसे 23 हजार से अधिक रूपये ले लिए गए। इससे पहले, मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने सीआरपीसी की धारा 156(3) के तहत आवेदन और सीआरपीसी की धारा 200 के तहत शिकायत को खारिज कर दिया था। मजिस्ट्रेट ने टिप्पणी कि थी 'अदालत के सवाल पर, याचिकाकर्ता किसी भी दस्तावेज या प्रतिनिधित्व या तस्वीर नहीं दिखा पाया है। वकील ने मनगढंत तरीके से अपने मन में ये शिकायत बना ली है।'सरकारी वकील अमित साहनी ने कोर्ट में कहा कि तीस हजारी कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने से इनकार करते हुए सीआरपीसी की धारा 156 (3) के तहत आवेदन को खारिज कर दिया है। इस तरह उच्च न्यायालय के किसी भी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है। अमित साहनी ने आगे कहा, 'स्नढ्ढक्र दर्ज करने की प्रार्थना करने वाले आवेदन को खारिज करने के मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट द्वारा पारित आदेश के खिलाफ, याचिकाकर्ता को सत्र न्यायालय के समक्ष याचिका दायर करनी चाहिए थी, जबकि उसने अपने पास उपलब्ध उपाय को दरकिनार करते हुए सीधे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।'उच्च न्यायालय के समक्ष याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि मजिस्ट्रेट ने सीआरपीसी की धारा 200 के तहत उसकी शिकायत को सीआरपीसी की धारा 156(3) के तहत आवेदन के साथ गलत तरीके से खारिज कर दिया था। यह तर्क दिया गया कि मजिस्ट्रेट को शिकायतकर्ता के साक्ष्य के लिए मामला तय करना चाहिए था। मामले में यह पाया गया कि शिकायत संज्ञेय अपराध का खुलासा नहीं कर रही है।

ग्रेटर नोएडा के अजनारा होम्स में एक फ्लैट के बेडरूम में छत के प्लास्टर का टुकड़ा गिरा, बाल बाल बचे लोग

ग्रेटर नोएडा। नाम बड़े और दर्शन छोटे, कुछ ऐसा ही हाल हो रहा है उन सभी बड़े बिल्डर्स का जिन्होंने लोगों से लाखों करोड़ों रुपए लेकर उनके सपनों का घर उनको दिया था। अब उस घर में रहने की वजह से लोगों को काफी तकलीफें उठानी पड़ रही हैं। घटिया सामग्री से किए गए बिल्डिंग और फ्लैट के निर्माण का असर कुछ दिनों बाद ही देखने को मिलना शुरू हो गया है। ताजा वीडियो जो सामने आया है वह ग्रेटर नोएडा वेस्ट के अजनारा होम्स का बताया जा रहा है। एक फ्लैट के बेडरूम की छत का एक बड़ा हिस्सा टूटकर अचानक नीचे गिर गया और लोग बाल-बाल बच गए।

ग्रेटर नोएडा के यमुना में डूबे दो युवकों के शव बरामद, एनडीआरएफ तलाश में जुटी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दनकौर इलाके के मकनपुर बांगर में रहने वाले एक किशोर और एक युवक की बाढ़ के पानी में डूबने से मौत हो गई। ये दोनों अपने खेत में यमुना के पानी में नहा रहे थे। जब दोनों डूबने लगे तो उनके परिजन भी पास में ही मौजूद थे, लेकिन उन्हें बचा नहीं पाए। रविवार से ही इनको ढूंढने का प्रयास एनडीआरएफ और लोकल पुलिस द्वारा किया जा रहा था लेकिन सफलता नहीं मिल रही थी। आज सोमवार को पुलिस ने बताया है कि रामपुर खादर के पास इन दोनों के शव बरामद हुए हैं और शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, 16 जुलाई को थाना दनकौर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम मकनपुर बांगर के दो युवक धीरज (21 वर्ष) एवं संगीत (17 वर्ष) यमुना के बाढ़ के पानी में स्नान करते हुए डूब गए। सूचना मिलने के बाद युवकों की तलाश के लिए एनडीआरएफ टीम/एसडीआरएफ टीम, लोकल गोताखोर और थाना दनकौर पुलिस द्वारा निरंतर संयुक्त रूप से तलाश व सर्च अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में सोमवार को दोनो युवक धीरज व संगीत के शव रामपुर खादर के सामने यमुना के बाढ के पानी में मिल गये।

(हिन्दी दैनिक) खबर दृष्टिकोण
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कश्यप द्वारा शौर्य प्रिंटर्स, शिवपुरी कालोनी, निकट बांसमण्डी चौराहा, लखनऊ से मुद्रित एवं 551घ/1316, निकट शराफत जनरल स्टोर, आजाद नगर, आलमबाग, लखनऊ- 226005 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- आरती कश्यप, Mob. : 9555229060,9838938570 Email- khabardrishtikon@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) R.N.I. NO.: UPHIN/2021/82210